youtube.com/dhurandhar times
twitter.com/dhurandhar times
facebook.com/DHURANDHAR TIMES
www.dhurandhartimes.com 9015441661, 8700925835 मूल्य: ₹ 2/- संपादक- धुरन्धर चौहान

गंगा के पवित्र घाटों पर स्नान करती महिलाओं के वीडियो और छायाचित्र लेने पर प्रतिबंध लगाने की हिंदू जनजागृति समिति की मांग !

धुरन्धर टाइम्स

वर्ष : 8, अंक : 8, नई दिल्ली, फरवरी 2024

परिवर्तन की ओर...

dhurandhartimes@gmail.com मासिक RNI : DELHIN/2016/71837 दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी मासिक समाचार पत्र

खास खबर

एसएफआई के खिलाफ सडक पर बैठे केरल गवर्नर

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी।

केरल गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान केरल के कोल्लम जिले में एसएफआई (स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया) के खिलाफ धरने पर बैठे। एसएफआई के कार्यकताओं ने शनिवार सुबह उनके काफिले को काले झंडे दिखाए थे। इससे नाराज होकर उन्होंने एमसी रोड पर चाय की दुकान से कुर्सी मांगी और बैठकर धरना देने लगे। इस दौरान उन्होंने कहा- मैं यहां से नहीं जाऊंगा। उन्होंने कहा कि पुलिस उन्हें प्रोटेक्शन दे रही है। अगर पुलिस खुद ही कानून तोड़ेगी, तो यहां कानून व्यवस्था कौन संभालेगा। इसके बाद पुलिस ने 17 एसएफआई वर्कर्स के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। दो घंटे बाद जब पुलिस ने जब उन्हें इस एफआईआर की कॉपी दिखाई, तब वे वहां से उठे। इसके बाद उन्होंने बताया कि वे यहां धरना देने नहीं बैठे थे, वे यहां सिर्फ पुलिस एफआईआर की कॉपी लेने का इंतजार करने बैठे थे।

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन खत्म

मुंबई,एजेंसी।

महाराष्ट्र सरकार ने मराठा आरक्षण के मुद्दे पर आंदोलनकारियों की सभी मांगें मान ली हैं। सीएम एकनाथ शिंदे शनिवार को मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे से मिलने नवी मुंबई पहुंचे। सीएम ने जरांगे को जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म करवाया और अध्यादेश की कॉपी सौंपी। मनोज जरांगे ने शुक्रवार देर रात कहा था कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अच्छा काम किया है। हमारी अपील मान ली गई है। हमारा विरोध अब खत्म हुआ। इससे पहले शुक्रवार को जरांगे ने शिंदे सरकार को शनिवार सुबह 11 बजे तक का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर 11 बजे तक आरक्षण का अध्यादेश जारी नहीं किया गया, तो वे 12 बजे मुंबई के आजाद मैदान पहुंचकर आंदोलन करेंगे। इसके बाद शिंदे सरकार ने देर रात अध्यादेश का ड्राफ्ट जरांगे के पास भेजा। इसमें जरांगे की मांगों का जिक्र था। मनोज ने मराठा आरक्षण की मांग को लेकर 20 जनवरी को जालना से मुंबई तक के लिए पदयात्रा शुरू की थी।

बीजेपी का ऑपरेशन लोटस 2.0, केजरीवाल ने लगाया 25 करोड़ के ऑफर का आरोप

नई दिल्ली,एजेंसी।

दिल्ली में बीजेपी द्वारा ऑपरेशन लोटस 2.0 शुरू करने के दौरान आप के विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप लगाया जा रहा है। दिल्ली के सीएम और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर दिल्ली में ऑपरेशन लोटस 2.0 शुरू करने का आरोप लगाया।

इसके साथ ही उन्होंने दावा कि बीजेपी ने आप के 7 विधायकों को अपने पाले में करने की कोशिश की और उन्हें पाला बदलने के लिए 25 करोड़ रुपये की पेशकश की है।

केजरीवाल ने दावा किया कि बीजेपी द्वारा आप विधायकों से बातचीत के बाद कथित तौर पर धमकी दी थी कि शराब नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। सीएम अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखे पर एक पोस्ट में कहा, पिछले दिनों इन्होंने दिल्ली के हमारे 7 एमएलए से संपर्क कर कहा कि कुछ दिन बाद केजरीवाल को गिरफ़्तार कर लेंगे। उसके बाद एमएलए को तोड़ेंगे।

यदि रामराज्य चाहते हैं तो श्रीराम के आदर्शो का अनुकरण करें- सतपाल जी महाराज

75वें गणतंत्र दिवस और श्री विभु जी महाराज के जन्मोत्सव कार्यक्रम को सम्बोधित करते श्री सतपाल महाराज

संवाददाता, धुरन्धर टाइम्स

नई दिल्ली। मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा आयोजित 75वें गणतंत्र दिवस व श्री विभू जी महाराज के जन्मोत्सव के अवसर पर सद्भावना सम्मेलन नई दिल्ली के पंडवाला कलां, नजफगढ स्थित श्री हंसनगर आश्रम में किया गया। उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री सतपाल महाराज ने पांडाल में उपस्थित भक्तों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा हो गई हैं और अब हमें रामराज्य की कल्पना को साकार करने के लिए उनके आदर्शो पर चलना होगा।

सतपाल महाराज ने कहा कि, भगवान श्रीराम ने जैसा उदाहरण हमारे सामने प्रस्तुत किया है वैसा दुनिया के किसी भी कोने में देखने को नहीं मिलता। अन्य धर्मो का इतिहास देखेंगे तो पता चलता हैं कि सत्ता पाने के लिए किसी ने अपने पिता को बंदी बनाकर जेल में डाल दिया तो किसी ने अपने भाइयों की जान ले ली।किंतु प्रभु श्रीराम का एकमात्र ऐसा उदाहरण है जिन्होने अपने पिता का वचन निभाने के लिए सत्ता का मोह छोडकर 14 साल का वनगमन स्वीकार किया। उन्होने अपने जीवन में मयार्दा को प्राथमिकता दी और मयार्दा पुरूषोत्तम कहलाये। अतः अब सभी भारतवासियों का यह कर्तव्य हो जाता हैं कि हम प्रभु श्रीराम द्वारा स्थापित आदर्शो पर चलें। अयोध्या में रामलला आ गये हैं अब हमें रामराज्य स्थापित करने के लिए उनके जीवन के आदर्शो को अंगीकार करने की जरूरत हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि, श्रीराम को किसी देश या किसी विचारधारा की सीमा में बांधा नहीं जा सकता हैं। वे कण-कण में व्याप्त हैं। अयोध्या से लेकर नेपाल, म्यानमार, इंडो-चायना, इंडोनिशिया, मलेशिया आदि देशों मे जब भी कोई सांस्कृतिक महोत्सव होता हैं तब वहाँ के नाटकों में भगवान श्रीराम के जीवन का ही वर्णन देखने को मिलता हैं। श्रीराम सर्वव्यापी हैं। श्री सतपाल महाराज ने रामायण की घटना का जिक्र करते हुए जनमानस को बताया कि, जब नल-नील पत्थर पर 'राम' लिखकर समुद्र में छोड़ देते थे तो वह तैरने लगते थे। जब यह बात चारों तरफ फैली तो लंकापति रावण तक पहुंच गई।

सतपाल महाराज ने कहा कि, भगवान श्रीराम ने जैसा उदाहरण हमारे सामने प्रस्तुत किया है वैसा दुनिया के किसी भी कोने में देखने को नहीं मिलता। अन्य धर्मो का इतिहास देखेंगे तो पता चलता हैं कि सत्ता पाने के लिए किसी ने अपने पिता को बंदी बनाकर जेल में डाल दिया तो किसी ने अपने भाइयों की जान ले ली।किंतु प्रभु श्रीराम का एकमात्र ऐसा उदाहरण है जिन्होने अपने पिता का वचन निभाने के लिए सत्ता का मोह छोडकर 14 साल का वनगमन स्वीकार किया। उन्होने अपने जीवन में मयार्दा को प्राथमिकता दी और मयार्दा पुरूषोत्तम कहलाये। अतः अब सभी भारतवासियों का यह कर्तव्य हो जाता हैं कि हम प्रभु श्रीराम द्वारा स्थापित आदर्शो पर चलें। अयोध्या में रामलला आ गये हैं अब हमें रामराज्य स्थापित करने के लिए उनके जीवन के आदर्शो को अंगीकार करने की जरूरत हैं।

तब कुछ राक्षसों ने रावण को सलाह दी कि वे भी पत्थर पर अपना नाम लिखकर उन्हे समुद्र में छोड़ दे, तो पत्थर तैरने लगेंगे। इससे राम की सेना का मनोबल टुटेगा और वह हमारी शक्तियों के प्रदर्शन से हार मानकर वापस लौट जाएंगें। जब रावण ने अपना नाम लिखा और पत्थर समुद्र में छोड़ दिया तो वह पत्थर भी तैरने लगे। मंदोदरी अपने स्वामी रावण के सारे ज्ञान और माया को जानती थी। वह यह भी जानती थी कि समुद्र में पत्थर तैराने का ज्ञान रावण को नहीं हैं। जब मंदोदरी ने इसका राज अपने स्वामी रावण से जानना चाहा तो रावण टालता रहा किंतु जब मंदोदरी हठ करने लगी तो रावण ने बताया किह्य मैने पत्थर पर अपना नाम लिखा और समुद्र में छोड़ते समय कहा कि तुम्हे राम की कसम हैं पत्थर डुबना नहीं चाहिये। यह कहकर छोड दिया और पत्थर तैरने लगा। प्रभु श्रीराम का ऐसा दिव्य प्रभाव था। श्रीरामलला की स्थापना हो चुकी हैं, अब रामराज्य की स्थापना के लिए हमें राम के आदर्शो का अनुकरण करना होगा। यदि हम अपने आप को राम के भक्त मानते हैं तो प्रभु श्रीराम की तरह माता-पिता की आज्ञा को मानना होगा। 75वें गणतंत्र दिवस पर सतपाल महाराज ने झंडा फहराया। मानव सेवा दल द्वारा सलामी दी गई और परेड निकाली गई। साथ ही रामराज्य पर आधारित सांस्कृतिक झाँकिया भी निकाली गई। कार्यक्रम से पूर्व श्री सतपाल महाराज, पूर्व मंत्री श्रीमती अमृता रावत जी, श्री विभु जी महाराज, श्री सुयश जी महाराज व माता आराध्या जी का संस्था के पदाधिकारियों द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। मंच संचालन महात्मा हरिसंतोषानंद ने किया

ढलती रात में ज्ञानवापी से सुनाई दी घंटियों की आवाज और शंखनाद के साथ हुई पूजा

नई दिल्ली,एजेंसी।

बीते तीन दशकों से जहां नमाज पढ़ी जा रही थी वहां अचानक रात्रि दो बजे पूजा अर्चना हुई और घंटियों की आवाज सुनाई देने लगी। जिला अदालत के फैसले के बाद प्रशासन ने ज्ञानवापी मस्जिद स्थित व्यास जी तहखाने में रात दो बजे पूजा पाठ शुरू करवा दिया, जिसके बाद गुरुवार सुबह से ही दर्शनार्थियों में भी उत्साह देखने को मिल रहा है। कोर्ट के आदेश के बाद 24 घंटे के भीतर ही वाराणसी जिला प्रशासन ने बुधवार देर रात बैरिकेडिंग हटवाकर ज्ञानवापी मस्जिद स्थित व्यासजी तहखाने में पूजा शुरू करवा दी।

आपको बता दें कि 1991 में तत्कालीन मुलायम सिंह सरकार के आदेश पर व्यासजी के तहखाने में पूजा बंद करवा दी गई थी और वहां लोहे की बैरिकेडिंग कर दी गई थी। जिसके बाद ही हिंदुओं में आक्रोश था। लेकिन लंबी कानूनी लड़ाई के बाद व्यास जी के तहखाने को खोलने और पूजा पाठ करने का आदेश वाराणसी जिला अदालत ने दिया। फैसला आने के 24 घंटे के अंदर ही जिला प्रशासन उसका अनुपालन करवा दिया। इस पर हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि 1991 में भी मुलायम सरकार ने बिना किसी नोटिस के ही पूजा पर रोक लगा दी थी। अब फैसला आया है तो सरकार ने उसका अनुपालन करवाया है। उधर मुस्लिम पक्ष कोर्ट के फैसले से नाखुश दिखाई दिया. मुस्लिम पक्ष की तरफ से जिला जज के फैसले को आज

हाईकोर्ट में चुनौती दी जाएगी। बीती रात लगभग 1:30 बजे जिला प्रशासन ने व्यास जी का तहखाना खुलवाया। उसके बाद करीब दो बजे पहली पूजा की गई। इसके बाद गुरुवार सुबह मंगला आरती भी की गई। पूजा शुरू होने के बाद सुबह से ही दर्शनार्थियों में उत्साह देखने को मिल रहा है। आज सुबह ज्ञानवापी गेट नंबर 4 पर सुरक्षा व्यवस्था मुस्तैद दिखाई दी। बाल शास्त्री व्यवस्था बनाए रखने के लिए यहां पर लगाए गए हैं. इसके साथ ही जो यहां के पुजारी है उनमें काफी उत्साह देखा जा रहा है। उनका कहना है कि 31 साल पहले जो काली चादर थी उसे अब हटा दिया गया है। दर्शनार्थी सबसे पहले तहखाना का दर्शन करके बाबा विश्वनाथ का दर्शनकर रहे हैं।

हेमंत सोरेन को ईडी ने किया गिरफ्तार, चंपई सोरेन झारखंड के नए मुख्यमंत्री

रांची,एजेंसी।

हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले हेमंत सोरेन ने झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसी बीच नए मुख्यमंत्री का नाम सामने आया है। चंपई सोरेन झारखंड के नए मुख्यमंत्री होंगे। चंपई सोरेन हेमंत सोरेन के करीबी बताए जाते हैं।

ईडी ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सीएम सोरेन से आज पूछताछ की। इसके बाद हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए राजभवन पहुंचे। इसी बीच सत्ता पक्ष के विधायक भी रांची में राजभवन पहुंच गए। बताया जाता है कि चंपई सोरेन राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। चंपई सोरेन फिलहाल झारखंड सरकार के यातायात, अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री हैं। वे झारखंड मुक्ति मोर्चा के उपाध्यक्ष भी हैं। चंपई सोरेन के पास 41 से ज्यादा विधायकों का समर्थन है। 80 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 41 है।

बुधवार को देर शाम को हेमंत सोरेन ने झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और इसके साथ ही सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने नए मुख्यमंत्री के रूप में वरिष्ठ नेता चंपई सोरेन का नाम प्रस्तावित किया। इससे पहले हेमंत सोरेन से भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्डरिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय से करीब सात घंटे तक पूछताछ की। इसके बाद हमेंत सोरेन ने राजभवन जाकर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

जेएमएम के नेता और राज्यमंत्री बन्ना गुप्ता ने

संवाददाताओं से कहा, हमने चंपई सोरेन को विधायक दल के नेता के रूप में चुना है। हम शपथ समारोह के लिए राज्यपाल से अनुरोध करने राजभवन आए थे।

झारखंड के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा, ह्यह्यहेमंत सोरेन ने झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। सत्तारूढ़ जेएमएम-कांग्रेस-आरजेडी गठबंधन ने नए मुख्यमंत्री के रूप में जेएमएम के वरिष्ठ नेता चंपई सोरेन का नाम प्रस्तावित किया है।

इससे पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा की सांसद महुआ माजी ने प्रेस से कहा, सीएम ईडी की हिरासत में हैं। सीएम अपना इस्तीफा सौंपने के लिए ईडी टीम के साथ राज्यपाल के पास गए हैं...चंपई सोरेन नए मुख्यमंत्री होंगे...हमारे पास पर्याप्त संख्या है।

इससे पहले मुख्यमंत्री आवास पर जुटे विधायकों ने चंपई सोरेन को जेएमएम विधायक दल का नेता चुना। पार्टी के प्रवक्ता विनोद पांडे ने कहा कि चंपई सोरेन के नाम पर आम सहमति बन गई।

संपादकीय

कनाडा का आक्रामक रुख

कनाडा ने अब भारत पर 2021 में वहां हुए आम चुनाव के नतीजों को प्रभावित करने का आरोप लगा दिया है। कनाडा की जस्टिन ट्रुडो सरकार ने पहले ऐसा आरोप चीन पर लगाया था। उस मामले की जांच के लिए उसने एक आयोग बनाया हुआ है। कनाडा सरकार ने भारत के खिलाफ अपने आक्रामक रुख को और आगे बढ़ाया है। इससे भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर नया प्रहार हुआ है। कनाडा ने बीते हफ्ते इस आरोप की जांच शुरू कर दी कि 2021 में वहां हुए आम चुनाव के नतीजों को भारत ने प्रभावित करने की कोशिश की थी। कनाडा की जस्टिन ट्रुडो सरकार ने इस मामले में एक विशेष जांच आयोग बनाया है। अब इस आयोग ने कनाडा सरकार से चुनावों में भारत के संभावित हस्तक्षेप के बारे में जानकारी मांगी है। आयोग का गठन ट्रूडो ने सितंबर 2023 में किया था। गौरतलब है कि उसी महीने ट्रुडो ने भारत पर कनाडा की जमीन पर कनाडाई नागरिक- खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल होने का इल्जाम लगाया था। भारत ने लगातार उस आरोप का खंडन किया है। जहां तक चुनाव में हस्तक्षेप का मुद्दा है, तो पहले ट्रुडो सरकार ने चीन पर इस सिलसिले में आरोप लगाए, जिसका चीन ने लगातार खंडन किया है। लेकिन आयोग जांच को आगे बढ़ा रहा है। कनाडाई प्रांत क्यूबेक की जज मारी-जोसी होग आयोग की अध्यक्ष हैं। उन्हें जिम्मेदारी दी गई थी कि वे चुनाव में चीन, रूस और अन्य देशों के संभावित हस्तक्षेप की जांच करें। अब इस सूची में भारत का नाम भी शामिल कर दिया गया है। आयोग को अगले तीन मई तक अंतरिम रिपोर्ट और साल के अंत तक अंतिम रिपोर्ट देने को कहा गया है। भारत सरकार ने अभी इस बारे में अपनी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। लेकिन चूंकि निज्जर मामले में यह सामने आया था कि उस मुद्दे पर अमेरिका और उसके कुछ दूसरे साथी देशों का समर्थन कनाडा के साथ है, इसलिए इस मामले से भी भारत के सामने एक अंतरराष्ट्रीय चुनौती खड़ी होने की आशंका है। दरअसल, निज्जर का मामला तब तक उतना गंभीर मालूम नहीं पड़ता था, जब तक अमेरिका ने एक भारतीय अधिकारी पर उसकी जमीन पर खालिस्तानी उग्रवादी गुरपतवंत सिंह पन्नूं की हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप नहीं लगा दिया। इसलिए अंदेशा है कि कनाडा का नया आरोप भी साझा पश्चिमी दबाव में तब्दील हो सकता है।

(चिंतन-मनन)

विचार प्रांति की जरूरत

एक समय अवांछनीय व्यक्तियों या तत्वों को हटाने के लिए मुख्यतः शस्त्रबल से ही काम लिया जाता था। तब विचारशक्ति की व्यापकता का क्षेत्र खुला न था। बहुसंख्यक जनता को एक दिशा में सोचने, कुछ करने या संगठित करने के लिए उपयुक्त साधन न थे। इसलिए संसार में जब भी अनाचार, पाप, अनौचित्य फैलता था, तब उस अनौचित्य का निवारण युद्ध द्वारा शस्त्रबल से किया जाता था। प्राचीनकाल में युग परिवर्तन की यही भूमिका रही है। इसी कारण रावण, कंस, हिरण्यकशिपु आदि अनीतिमूलक वातावरण उत्पन्न करने वालों को परास्त करनेवाले महामानवों को अवतार, देवदूत आदि सम्मानों से सम्मानित किया गया। पिछले कई वर्षों में विज्ञान ने अद्भुत प्रगति की है।

संसार की अनेक सभ्यताओं और विचारधाराओं ने एक-दूसरे को प्रभावित करना आरम्भ किया। साथ ही ऐसे शस्त्रों का आविष्कार आरम्भ हुआ, जिससे युद्ध केवल दो देशों के बीच संभव न रहा। सरकारी कानून के तहत व्यक्तिगत लड़ाइयां असंभव हो गई। आज किसी देश का प्रधानमंत्री भी किसी का वध कर डाले, तो उसे जरूरी सजा भुगतनी ही पड़ेगी। पुराने जमाने में योद्धा तलवार से निपट लेते थे, पर अब तो युद्ध के अस्त्र-शस्त्र तथा क्रियाकलाप इतने महंगे हैं कि एक सैनिक को मारने का खर्च प्रायः हजारों रुपये पड़ जाता है। उसके पीछे अंतरराष्ट्रीय गुटबंदी और सहायताएं, सहानुभूतियां भी काम करती हैं। इस वैज्ञानिक युग में पिछले दो युद्ध अनंत संहारक साधनों से लड़े गये, फिर भी उनसे कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं हुआ।

खड़गे की आशंका और मोदी का डंका....

-राकेश अचल-

कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे को आशंका है कि यदि इस साल होने वाले आम चुनाव में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी फिर आ गए तो ये देश के लिए आखरी चुनाव होंगे, क्योंकि इसके बाद मोदी जी स्वयंभू हो जायेंगे। यानि मोदी जी रूस के राष्ट्रपति पुतिन या उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग या चीन के राष्ट्रपति शी पिंग के रास्ते पर जाकर देश में तानाशाही थोप देंगे। खड़गे देश के वरिष्ठ नेता हैं। वे प्रधानमंत्री मोदी जी से भी उम्र और अनुभव में बड़े हैं इसलिए उनकी आशंका को हल्के में नहीं लिया जा सकता।

देश की राजनीति में पिछले एक दशक से जो उठापटक हो रही है, उसकी वजह से ऐसी आशंकाएं जन्म लेती हैं और ये बहुत स्वाभाविक है। जो आशंका देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के मन में है वही आशंका इस देश के आम आदमी के मन में भी हो ये जरूरी नहीं है, भले ही कांग्रेस की और खड़गे जी की आशंका निर्मूल न हो। निश्चित ही देश लोकतंत्र से एक तंत्र की और बढ़ रहा है। भारतीय लोकतंत्र पूर्व में इस तरह के घटनाक्रम से कभी नहीं गुजरा। 1975 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने एक बार लोकतंत्र को बंधक बनाने का प्रयास करते हुए देश में आपातकाल लगाया था किन्तु उसकी उम्र भी 19 महीने से ज्यादा नहीं रही। जनता ने वापस लोकतंत्र की बहाली कर दी थी, लेकिन आज स्थितियां एकदम भिन्न हैं /

भारत में आज लोकतंत्र को चुनौती देने के लिए किसी तरह का आपातकाल नहीं लगाया गया है लेकिन सरकार की जो गतिविधियां हैं वे आपातकाल से भी जायदा खतरनाक और भयावह हैं। सरकार ने एक दशक में तमाम संवैधानिक संस्थाओं को बंधुआ बना लिया है या उन्हें बधिया [नसबंदी] कर दिया है। आम जनता को धर्म का डबल डोज देकर हिस्टीरिया पैदा करने की कोशिशें भी लगातार जारी हैं। राजनीति में तोड़फोड़ का अनूठा दौर इसी दशक की देन है। जनादेश की धज्जियां उड़ने का नया कीर्तिमान इसी दशक में बना है। मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र के बाद बिहार में ये खेल होते पूरी दुनिया देख रही है। कोई इस खेल को रोकने वाला नहीं है। न संविधान और न जनता। सबके सब असहाय नजर आ रहे हैं।

देश की आजादी की और संविधान की स्थापना की हीरक जयंती वर्ष को देश का अमृतकाल कहा गया लेकिन अमृत पात्र में विष भरकर दे दिया गया और किसी को कानों-कान खबर भी न हुई। अदावत की राजनीति के चलते समूचे विपक्ष को लंगड़ा -लूला बनाने के लिए कहीं बिभीषणों का सहारा लिया तो कहीं पल्टूरामों का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालाँकि ये सब निराश करने वाला घटनाक्रम है किन्तु जब कोई कुछ कर नहीं पा रहा तो इसे खुशी-खुशी स्वीकार कर लेना ही पहला और अंतिम विकल्प लगता है, किन्तु इस देश की जनता ने अलग-अलग समय में मुगलों और अंग्रेजों की दासता को झेला है, वो इतनी आसानी से देश में तानाशाही को अपना शिकंजा नहीं कसने देगी।

ये तथ्य है कि तानाशाही दबे पांव आती है, लेकिन उसकी आहट सुनने वाले सुन ही लेते है। आज खड़गे साहब ने, उनकी कांग्रेस ने सुनी है कल पूरा देश इस आहट को सुनेगा।

देश यानि आम जनता यदि अपने वोट की ताकत से तानाशाही को नहीं रोकेगी तो और कोई दूसरा रास्ता है भी नहीं। वोट का हथियार भी मानव सृजित मशीनों ने मोथरा बना दिया है। चुनाव की प्रक्रिया दूषित और अविश्वसनीय हो चुकी है। जनता जनादेश से कुछ बदलना भी चाहे तो बदल नहीं सकत।

बिहार इसका ताजा उदाहरण है। बिहार की जनता ने जो जनादेश दिया था उसकी धज्जियां धर्मपरायण भाजपा और धर्मनिरपेक्षता की दुहाई देने वाली जेडीयू ने मिलजुलकर उड़ा दी हैं। इन हरकतों के खिलाफ जनता कहाँ जाये ? अदालतें इस तरह के अलोकतांत्रिक क्रियाकलापों को रोने में असमर्थ है और अयोध्या के राम मंदिर में इस तरह के मामले सुने नहीं जाते। वहां सिर्फ जयकारे लगाए जाते हैं। अयोध्या में मंदिर सरकारी है इसलिए स्वाभाविक रूप से वहां विराजे रामलला भी सरकार के ही पक्षधर हैं।

कुल मिलाकर स्थिति गंभीर है। अब लोकतंत्र की लड़ाई गैर भाजपा दलों के साथ ही आम जनता को ही लड़ना पड़ेगी। यद जनता चाहती है कि -देश को भाड़ में जाने दिया जाये तो जाने दिया जाये। जनता खुद भुगतेगी। और यदि जनता चाहती है कि जो देश हमें 1947 में बनाने के लिए मिला था उसे ही बचाया और बनाया जाये तो फिर सभी को जनता के साथ खड़े हो जाना चाहिए। जनता से बड़ा कोई नहीं है। न धर्म, न कानून और न कोई तानाशाह। ये मेरी मान्यता है। इसका खड़गे की और कांग्रेस की मान्यता से कोई लेना-देना नहीं है। क्योंकि एक आम आदमी किसी गठबंधन का हिस्सा नहीं होता। उसे अपनी पसंद से अपने लिए अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार अभी तक तो हासिल है। कल जब नहीं होगा, तब की बात और है। तब मुमकिन है कि हम और आप इस विषय पर बात ही न कर पाएं।

भाजपा के लिए क्यों जरूरी हो गए नीतीश

-अजीत द्विवेदी-

बिहार में गठबंधन बदल का लगभग पूरी तरह से एकपक्षीय विश्लेषण किया जा रहा है। मीडिया में सिर्फ इस बात की चर्चा है कि नीतीश कुमार बेहद अविश्वनीय नेता हैं और उनका कोई वैचारिक आधार नहीं है। उनके बरक्स लालू प्रसाद और उनके बेटे तेजस्वी यादव की राजनीति को बेहतर और परिपक्व बताया जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि नीतीश की राजनीति सिर्फ मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बने रहने के लिए होती है। यह व्याख्या पिछले कुछ बरसों के राजनीतिक घटनाक्रम पर आधारित है और एक हद तक सही है। लेकिन इस एकपक्षीय व्याख्या से पूरी तस्वीर साफ नहीं होती है। बिहार में जितनी बार गठबंधन में बदलाव होता है और नई सरकार बनती है उतनी बार नीतीश कुमार के साथ एक दूसरी पार्टी भी शामिल होती है। अगर नीतीश वैचारिक और राजनीतिक रूप से बेईमान हैं तो उनके साथ सरकार बनाने वाली दूसरी पार्टियां कैसे ईमानदार और उनके मुकाबले बेहतर मानी जा सकती हैं? आज अगर राजद और कांग्रेस को छोड़ कर नीतीश ने भाजपा के साथ सरकार बनाई है तो इस पूरे घटनाक्रम का विश्लेषण भाजपा की राजनीतिक मजबूरी के नजरिए से भी की जानी चाहिए। भाजपा को लग रहा था कि अगर 2024 की उसकी संभावनाओं को कहीं से नुकसान हो सकता है तो वह बिहार है और नुकसान पहुंचा सकने की हैसियत वाले नेता नीतीश कुमार हैं। इसलिए उसने राजद और जदयू के बीच के विवाद को भांप कर नीतीश के साथ फिर तालमेल के लिए कदम बढ़ाया। ध्यान रहे नीतीश कुमार की सत्ता को अभी तत्काल कोई चुनौती नहीं थी। यह सही है कि लालू प्रसाद और उनके कुनबे ने और साथ ही उनकी पार्टी ने कई तरह से नीतीश कुमार पर इस बात का दबाव बनाया था कि वे तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनवा दें लेकिन अगर नीतीश नहीं बनवाते तो इस बात की संभावना शून्य थी कि राजद समर्थन वापस लेकर उनकी सरकार गिरा देती। सो, नीतीश की सत्ता के सामने चुनौती नहीं थी। यह अंदाजा भी सबको था कि राजद, जदयू, कांग्रेस और वामपंथी पार्टियों का महागठबंधन एकजुट रहा और साथ मिल कर चुनाव लड़ा तो बिहार में भाजपा के लिए बड़ी चुनौती होगी। सी वोटर के चुनाव पूर्व सर्वेक्षण में बताया गया था कि राज्य की 40 में से आधी से ज्यादा लोकसभा सीटें महागठबंधन के खाते में जाएंगी। सोचें, पिछली बार जदयू के साथ होने से एनडीए को 39 सीटें मिली थीं। राजद को शून्य और कांग्रेस को एक सीट मिली थी। इस बार नीतीश के उधर जाने से चुनावी पलड़ा उनके पक्ष में झुक रहा था। भाजपा के एक और आंतरिक सर्वेक्षण की खबरें सामने आ रही हैं, जिसके मुताबिक बिहार में अत्यंत पिछड़ी जातियों का समर्थन नीतीश कुमार के प्रति कायम है। इसके अलावा गैर यादव पिछड़ी जातियों का भी बड़ा हिस्सा नीतीश के साथ है। बिहार में हुई जाति गणना और उस आधार पर आरक्षण की सीमा बढ़ाने से पिछड़े और अति पिछड़े मतदाताओं में नीतीश की साख और बेहतर होने की खबर है तो लाखों की संख्या में शिक्षकों की बहाली का श्रेय भी नीतीश को मिल रहा है। तभी भाजपा लोकसभा चुनाव की संभावनाओं को लेकर चिंता में आई। दूसरे, नीतीश विपक्षी गठबंधन इंडियाइ के भीतर सबसे प्रमुख चेहरों में से एक थे और उन्होंने विपक्षी पार्टियों को एकजुट किया था। तभी भाजपा को लग रहा था कि अगर नीतीश फिर से उसके साथ आते हैं तो एक तीर से दो शिकार होगा। पहले तो विपक्षी गठबंधन इंडियाइ का अभियान पंक्चर होगा और वह भी तब जब राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा बिहार पहुंचने वाली है और दूसरे, बिहार में भाजपा का रेनबो समीकरण बहुत मजबूत हो जाएगा। ध्यान रहे भाजपा के साथ चिराग पासवान और जीतन राम मांझी पहले से हैं। यानी दलित और महादलित दोनों के सबसे महत्वपूर्ण नेता भाजपा के साथ हैं। दलित और महादलित के अलावा नीतीश के साथ आने से गैर यादव पिछड़ी जातियां मतलब कोईरी, कुर्मी और धानुक का आठ फीसदी वोट पूरी तरह से भाजपा के साथ आएगा और साथ ही अति पिछड़ी जातियां पूरी तरह से भाजपा गठबंधन के साथ एकजुट होंगी। नीतीश ने लालू प्रसाद के खिलाफ अपनी राजनीति लव-कुश समीकरण से शुरू की थी, जिसमें कुशवाहा नेता के तौर पर शकुनी चौधरी उनके साथ थे। अब शकुनी चौधरी के बेटे सम्राट चौधरी को भाजपा ने नीतीश की सरकार में उप मुख्यमंत्री बनवाया है। वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। खुद नीतीश कुर्मी और धानुक पर पूरा असर रखते हैं। उनके साथ आने से पिछड़ी जाति के 27 फीसदी वोट में 14 फीसदी यादव छोड़ कर बाकी वोट एनडीए के साथ एकजुट हो सकता है। जाति गणना के मुताबिक बिहार में 36 फीसदी अति पिछड़ी जातियां हैं, जिनमें आठ फीसदी के करीब मुस्लिम हैं। भाजपा की वजह से उसे अलग भी कर दें तो बचे हुए 28 फीसदी वोट में एनडीए को चुनौती नहीं रह जाएगी। सीएसडीएस के सर्वेक्षण के मुताबिक 2014 में जब भाजपा अकेले लड़ी थी तब 52 फीसदी अति पिछड़ा वोट उसको मिला था और 2019 में जदयू के साथ लड़ी तो 75 फीसदी अति पिछड़ा वोट एनडीए को मिला। इस तरह नीतीश के साथ आने से गैर यादव पिछड़ा वोट का बड़ा हिस्सा और अति पिछड़ा वोट का लगभग समूचा हिस्सा एनडीए की ओर जा सकता है। भाजपा ने अगड़ी जाति के विजय सिन्हा को दूसरा उप मुख्यमंत्री बना कर अपने उस कोर वोट को भी स्पष्ट मैसेज दिया है। अगर राजनीति का मकसद सत्ता हासिल करना है तो उस नजरिए से ही बिहार के घटनाक्रम की व्याख्या होनी चाहिए। यह सिर्फ नीतीश के सत्ता मोह की बात नहीं है, यह समान रूप से लालू प्रसाद के परिवार और नरेंद्र मोदी के भी सत्ता मोह की बात है। नीतीश पर निशाना साधने से पहले इस पहलू से भी देखने की जरुरत है। सोचें, नीतीश ने 1994 से लालू विरोध की राजनीति शुरू की और उनके व उनकी पत्नी के शासन को जंगल राज बता कर लड़ाई लड़ी। तभी दो दशक से ज्यादा की लड़ाई के बाद जब नीतीश ने 2015 में राजद से तालमेल किया तो क्या अवसरवादी सिर्फ नीतीश हुए? या लालू प्रसाद भी उतने ही अवसरवादी माने जाएंगे? फिर नीतीश ने 2017 में राजद को छोड़ दिया और भाजपा में चले गए तो लालू और उनके परिवार ने नीतीश को पलटूइ की संज्ञा दी और उनके बारे अनान-शनाप बातें कहीं। लेकिन फिर अगस्त 2022 में नीतीश वापस राजद के साथ आए तो लालू का पूरा परिवार फिर उनके चरणों में था! यही कहानी दूसरी तरफ की भी है। नीतीश ने 2013 में भाजपा को छोड़ा, फिर 2017 में साथ लौटे, फिर 2022 में छोड़ा और अब 2024 में वापस लौटे हैं। हर बार साथ छोडऩे पर भाजपा नेताओं ने उनकी आलोचना की और साथ आने पर महान बताया। तो इससे भाजपा का भी चरित्र सामने आता है। कह सकते हैं कि नीतीश ने राजद और भाजपा दोनों के चरित्र को एक नहीं कई बार उजागर किया है। एक और अहम बात यह है कि बिहार में जो कुछ भी हो रहा है या नीतीश कुमार जो कुछ भी कर रहे हैं वह असल में भारतीय राजनीति का चरित्र है। भारत की राजनीति सिर्फ और सिर्फ सत्ता के लिए है। उसमें विचारधारा या नैतिकता का कोई मतलब नहीं होता है। नीतीश ज्यादा निशाने पर इसलिए हैं क्योंकि दिल्ली में प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया में बिहार के पत्रकारों की बहुतायत है और वे अपने राज्य की घटनाओं को देश की घटना बता कर बहुत ज्यादा प्रचारित करते हैं। अन्यथा जो बिहार में हुआ है वह पूरे देश की कहानी है। हाल में एचडी देवगौड़ा ने भाजपा से तालमेल किया है।

धूमिल होते विपक्षी एकता के प्रयास

-सुरेश हिंदुस्तानी-

आजकल वर्तमान केंद्र सरकार को सत्ताच्युत करने के सपने देखने की राजनीति गरम है। केंद्र में विपक्ष की राजनीति करने वाली कांग्रेस सहित तमाम क्षेत्रीय दल एक साथ चलने का राग अलाप रहे हैं, लेकिन वर्तमान राजनीतिक शैली को देखते हुए सहज ही यह सवाल देश के वातावरण में अठखेलियाँ कर रहा है कि क्या आज की स्थिति और परिस्थिति को देखते हुए विपक्ष की भूमिका निभाने वाले राजनीतिक दल एक होकर चुनाव लड़ पाएंगे। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि सारे दल इस जोर आजमाइश में लगे हैं कि किसको कितनी सीट दी जाएं। इस बारे में कांग्रेस के समक्ष बड़ी विकट स्थिति निर्मित होती जा रही है। क्योंकि जहां एक ओर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी कांग्रेस के अस्तित्व को बचाने के लिए एक और राजनीतिक यात्रा पर निकल चुके हैं, वहीं दूसरी ओर क्षेत्रीय दल कांग्रेस को कोई भाव नहीं दे रहे। इसके पीछे का कारण स्वयं कांग्रेस की राजनीति ही है। क्योंकि उसके नेताओं को न तो अपनी वास्तविक स्थिति का ज्ञान है और न ही उसके नेता वैसा आचरण ही कर रहे हैं। इसी कारण आज क्षेत्रीय दल कांग्रेस से ज्यादा प्रभावशाली हैं। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों के सहारे की तलाश है और कांग्रेस इस सत्य को अभी समझने में पूरी तरह असमर्थ दिखाई दे रही है।

देश में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम के बाद यह लगने लगा है कि केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार पुनः आसीन होने की ओर अग्रसर है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि केंद्र की सरकार ने जो काम किए हैं उनके प्रति भारत की जनता का जुड़ाव दिखाई देता है। इसी कारण भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए जहां देश में विपक्ष के राजनीतिक दल एकता के लिए प्रयास करते दिखाई दे रहे थे, अब उन प्रयासों में बहुत बड़ा पेच सामने आ गया है। यह पेच इसलिए भी स्थापित हुआ है क्योंकि कांग्रेस को सारे क्षेत्रीय दल आंखें दिखाने की अवस्था में दिखाई देने लगे हैं। इसके पीछे क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का अस्तित्व बचाने का तर्क दिया जा सकता है, लेकिन सत्य यह भी है कांग्रेस वर्तमान में बहुत कमजोर हो गई है। इसलिए कांग्रेस को मन मुताबिक सीट देने को कोई भी दल तैयार नहीं है। पश्चिम बंगाल में एक तरफ ममता बनर्जी कांग्रेस को उसकी स्थिति के अनुसार सीट देने को तैयार नहीं है। वहीं उत्तरप्रदेश में भी समाजवादी पार्टी कांग्रेस को ज्यादा सीट देने के मूड में नहीं है। इंडी गठबंधन के लिए रही सही कसर पर नीतीश कुमार ने बिहार में कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इस राजनीतिक घटनाक्रम के बाद स्वाभाविक रूप से विपक्षी एकता के गठबंधन को बहुत बड़ा आघात लगा है। उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार विपक्षी गठबंधन की एकता के एक बड़े नेता के रूप में स्थापित हुए थे, जिन्हें कांग्रेस द्वारा महत्व नहीं दिए जाने के कारण नीतीश कुमार ने अपनी अलग राजनीतिक राह निर्मित कर ली।

वर्तमान में राजनीति रूप से अस्तित्व बचाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे विपक्षी दलों के समक्ष एक बार फिर से अपनी एकता को बनाए रखने के लिए चुनौतियों का पहाड़ स्थापित होता दिखाई दे रहा है। जहां तक विपक्षी एकता की बात है तो आज के हालात को देखते हुए निश्चित ही यह कहा जा सकता है कि जितने मुंह उतनी बातें हो रही हैं। विपक्ष के सारे दल किसी न किसी रूप में अपनी महत्वाकांक्षा को प्रदर्शित कर रहे है। तू डाल डाल, मैं पात पात वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए कांग्रेस सहित क्षेत्रीय दल अपनी पहचान बनाए रखने के लिए एक दूसरे को आंखें दिखा रहे हैं। इससे एक बात पूरी तरह से स्पष्ट हो जाती है कि कांग्रेस के नेतृत्व को कोई भी दल सर्वसम्मति से स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। लेकिन कांग्रेस का रवैया ऐसा दिखाई दे रहा है, जैसे उनका ही दल सब कुछ है। पश्चिम बंगाल और पंजाब की राजनीतिक स्वरों के निहितार्थ तलाशे जाएं तो यह कहने में कोई अतिरेक नहीं होगा कि कांग्रेस इन राज्यों में अपेक्षाकृत प्रदर्शन नहीं कर पाएगी। ऐसा इसलिए भी संभव है, क्योंकि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का आधार और प्रभाव है और वह किसी भी प्रकार से अपने प्रभाव को कमजोर करने का काम नहीं करेंगी, क्योंकि ममता के पास पश्चिम बंगाल के अलावा कहीं भी राजनीतिक जमीन नहीं है। ऐसा ही पंजाब में आम आदमी पार्टी के बारे में कहा जा सकता है। इन दोनों दलों का व्यापक प्रभाव इन्हीं राज्यों में है, जिसे वह खोना नहीं चाहते। आज भले ही कांग्रेस की ओर से विपक्षी एकता के प्रयास किए जा रहे हों, लेकिन इन प्रयासों की सफलता तभी संभव है, जब कांग्रेस अन्य राजनीतिक दलों उनकी महत्वाकांक्षाओं के साथ स्वीकार किया जाए, लेकिन कांग्रेस की वर्तमान रवैए को देखते हुए ऐसा संभव नहीं लगता। एक समय गठबंधन के मुख्य सूत्रधार कहे जाने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा की तरफ कदम बढ़ाने की कवायद को विपक्षी एकता के लिए जबरदस्त आघात के रूप में ही देखा जा रहा है। ऐसा करने के पीछे अनुमान यही है कि भारतीय जनता पार्टी ने अपनी स्वीकारोक्ति में वृद्धि की है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भले ही न्यायालय के आदेश पर हुआ हो, लेकिन इसके लिए भाजपा के योगदान को आज पूरा देश जानता है। आज बिहार की राजनीति का अध्ययन किया जाए तो यह कहना ठीक ही होगा कि वहां भले ही राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल यूनाइटेड के बीच बेमेल गठबंधन बनाकर सरकार का संचालन किया जा रहा था, लेकिन इन दोनों दलों के बीच विचारों की एकता नहीं थी। दोनों ही दल अपनी अपनी दाल पकाने में व्यस्त रहे। कहा तो यह भी जा रहा है कि लालू प्रसाद यादव अपने पुत्र को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर विराजमान करने की राजनीति करने लगे थे।

इसी प्रकार की स्थिति उत्तरप्रदेश की है, जहां कांग्रेस की राजनीतिक जमीन शून्यता की ओर कदम बढ़ा रही है। ऐसे में समाजवादी पार्टी कांग्रेस को उतना महत्व नहीं देगी, जितना वह चाहती है। इस प्रकार की परिस्थिति के बीच कांग्रेस अपने राजनीतिक भविष्य की तस्वीर में किस प्रकार से रंग भरेगी, यह फिलहाल टेडी खीर ही कही जाएगी। कुल मिलाकर यही कहा जाएगा कि विपक्ष की एकता जो प्रयास किए जा रहे हैं, उसके समक्ष एक एक करके बड़े अवरोध भी स्थापित हो रहे हैं। इस अवरोधों का सामना करने की हिम्मत एकता से ही संभव हो सकती थी, जो फिलहाल असंभव सा ही लग रहा है। ऐसा लगने लगा है विपक्षी एकता के प्रयास तार-तार हो रहे हैं। इसके पीछे कांग्रेस की एक बड़ी खामी यह भी है कि वह भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में न जाने की आत्मघाती भूल कर चुकी है। भगवान राम से भारत की जनता का सीधा संबंध है, जिसे कोई भी राजनीतिक दल नकारने का साहस नहीं कर सकता। विपक्षी राजनीतिक दलों को भविष्य की राजनीति की ओर कदम बढ़ाना है तो उसे भारत की आस्था को सम्मान देना ही होगा, नहीं तो जो स्थिति पहले हुई, वैसी ही स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए।

खास खबर

दिल्ली में निर्माण कार्य के दौरान दो मजदूरों की मौत, पूर्व विधायक के रिलेटिव पर केस दर्ज

नई दिल्ली,संवाददाता, धुरन्धर टाइम्स

दक्षिणी दिल्ली में छतरपुर से एक पूर्व कांग्रेस विधायक के रिश्तेदार के फार्म हाउस पर निर्माण कार्य के दौरान दो मजदूरों की मौत हो गई।

एक अधिकारी ने बताया घटना गुरुवार को फतेहपुर बेरी के पास भाटी कलां में हुई। मृतकों की पहचान मालवीय नगर निवासी धर्मेंद्र (35) और उत्तर प्रदेश के बदांयू निवासी करण सिंह (35) के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, गुरुवार दोपहर 3:45 बजे दो मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) की जानकारी मिली। अस्पताल में डॉक्टरों ने धर्मेंद्र और करण दोनों को मृत घोषित कर दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, "शुरूआती जांच के दौरान, फतेहपुर बेरी पुलिस स्टेशन के जांच अधिकारी ने भाटी कलां में घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने वहां निर्माण कार्य होता हुआ पाया, जहां पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं किए गए थे।" अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने पोस्टमार्ट के बाद शव उनके परिजनों को सौंप दिए। ठेकेदार और मालिक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ग्रामोदय योजना के तहत बवाना गांव में डीएम ने जनता, अधिकारियों के साथ किया संवाद

नई दिल्ली,संवाददाता, धुरन्धर टाइम्स

उत्तरी जिले के डीएम यश चौधरी की अध्यक्षता में आज बवाना गांव के पुराना नगर निगम स्कूल के प्रांगण में दिल्ली ग्रामोदय योजना के तहत विभिन्न विभागों के अधिकारियों और क्षेत्रीय जनता के साथ जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आईटी सैक्रेट्री एचपीएस सरन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। दिल्ली नगर निगम के नरेला जोन उपायुक्त बीएस यादव और पईयूएचसई नरेला के मेडिकल आफिसर नरेंद्र इंद्रा, डीजीएचएस से सीबीएमओ नम्रता नैयर, सहित बाढ एवं सिंचाई, पीडब्ल्यूडी, डीडीए, निगम के अधिकारी व बवाना, पूठखुर्द, बरवाला, सुल्तानपुर डबास, प्रहलादपुर बांगर, घोगा,सनोठ गांव के लोगों और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को भी अधिकारियों के साने रखा। आदर्श मूल ग्रामीण पंचायत महासंघ के अध्यक्ष दयानंद वत्स भारतीय ने गांवों की फिरनी रोड टूटी होने, गंदे पानी के निकासी न होने, गंदगी से पटे तालाबों की ओर ध्यान दिलाया। घूमने के लिए पार्क और पार्किंग की सुविधाएं, शमशान घाटों में बिजली-पानी न होने व शव जलाने के लिए प्लेटफार्म और उपर टीन शैड की व्यवस्था न होने पर ध्यान आकर्षित करवाया। उन्होने बवाना क्षेत्र के किसी एक गांव को चुनकर उसे स्मार्ट और हाईटेक बनाने का सुझाव दिया। गांव के सामुदायिक भवन और चौपाल के जर्जर होने, रिठाला से आगे बवाना नरेला तक मैट्रो क्नेक्टीविटि न होने, यातायात जाम, 82 फुट चौड़े बवाना रोड पर अतिक्रमण का भी ग्रामवासियों ने मुद्दा उठाया। गांवों में स्वामित्व योजना लागू करने की भी मांग की। बवाना गांव में डिस्पेंसरी, पूंठखुर्द के वाल्मीकि अस्पताल को बेहतर करने, हाईटेंशन तारों से जा रही लोगों की जान पर भी लोग बोले। संवाद में सुल्तानपुर डबास से नरेश डबास, पूठखुर्द से दलबीर सिंह डबास, बलराज सिंह डबास, वार्ड 29 पूठखुर्द से निगम पार्षद अंजु अमन कुमार, बवाना से डॉ रामनिवास सहरावत, हरिप्रसाद सहरावत, मास्टर जय भगवान, पूर्व निगम पार्षद ब्रह्म सहरावत घोगा से मोहन भारद्वाज, सनोठ से मांगे राम सहित बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं की जानकारी विस्तार से अधिकारियों के सम्मुख रखा। अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि इन मांगों पर कार्रवाई की जाएगी।

साइबर ठगों को किराए पर बैंक खाते देने वाले गिरफ्तार

नई दिल्ली,संवाददाता, धुरन्धर टाइम्स

दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस की साइबर सेल ने साइबर ठगों को किराए पर बैंक अकाउंट देने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी हरीश कुमार, विपुल शर्मा, शिव प्रताप और ओम प्रकाश के कब्जे से चार मोबाइल बरामद हुए हैं। इनके खातों में 60 लाख रुपये से अधिक के लेनदेन का पता चला है। साथ ही 21 शिकायतें बैंक अकाउंट से जुड़ी मिली है। सभी आरोपी विदेश से सिंडिकेट चलाने वाले जालसाजों को बैंक अकाउंट मुहैया करवाते थे। पुलिस आरोपियों के बाकी खातों की जांच कर रही है। अभी तक की जांच में चीनी नागरिकों की भूमिका मिली है। पुलिस उपायुक्त रोहित मीणा के अनुसार 13 अगस्त 2023 को सागरपुर के रहने वाले आशीष ने ठगी की शिकायत दी थी। उसने बताया कि नौ अगस्त को कई लोगों ने व्हाट्सऐप के जरिये उनसे संपर्क किया। आरोपियों ने खुद को कैरियर बिल्डर लिमिटेड का कर्मचारी बताया। उसके बाद उन्हें गूगल पर रेस्तरां को रेटिंग देकर पैसे कमाने की बात कही। आरोपियों ने 11 अगस्त को उन्हें एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ लिया। उन लोगों ने गूगल पर रेस्तरां को रेटिंग देने का काम सौंपा। एक रेटिंग के लिए आरोपी पीड़ित को 150 रुपये देते थे। इसके बाद उन्हें कंपनी में 13 सौ रुपये डालने पर मुनाफा देने का झांसा दिया। शिकायतकर्ता ने अच्छे रिटर्न के लिए 23.23 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। मुनाफा नहीं मिलने पर पीड़ित ने आरोपियों से पैसे वापस मांगे, लेकिन ठगों ने अधिक निवेश किए बिना पैसे नहीं निकालने की बात कही। ठगी का अहसास होने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। साइबर सेल ने जांच शुरू की तो पता चला कि जिस अकाउंट में पैसे गए हैं, वह हरीश कुमार का है। पुलिस ने शाहदरा स्थित घर से हरीश को गिरफ्तार कर लिया। हरिश ने बताया कि उसने पांच फीसदी कमीशन पर अपना अकाउंट विपुल शर्मा को बेच दिया था। इसके बाद विपुल शर्मा को गिरफ्तार किया गया। विपुल ने बताया कि वह ठगों को बैंक अकाउंट मुहैया करवाने के लिए कई टेलीग्राम समूहों में शामिल हो गया। वह टेलीग्राम के द्वारा ओम प्रकाश के संपर्क में आया। ओमप्रकाश टेलीग्राम ग्रुप का सक्रिय सदस्य था। वह बैंक अकाउंट खरीदता था। उसने बताया कि हरीश कुमार का बैंक खाता ओम प्रकाश को बेच दिया। पिछले साल नौ अगस्त को वह एक होटल में हरीश कुमार से मिला। ओम प्रकाश ने उसकी सहायता के लिए शिव प्रताप को भेजा था। उसके बाद पुलिस ने शिव प्रताप और ओम प्रकाश को गिरफ्तार कर लिया।

विमान रोकने के लिए कर दी बम की कॉल, बिहार के शख्स को दिल्ली पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली,संवाददाता, धुरन्धर टाइम्स

बिहार के दरभंगा से दिल्ली आ रहे विमान में बम की कॉल करने वाले शख्स को एयरपोर्ट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी को इस विमान से दिल्ली आना था। देरी के चलते उसने विमान में बम की कॉल कर दी थी। उसे लगा की बम की तलाशी के लिए विमान को रोका जाएगा और वह इसमें सवार हो सकेगा। आरोपी जय कृष्ण मेहता बिहार के सुपौल का रहने वाला है। वह बीपीओ में नौकरी करता है। डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि बीते 24 जनवरी को बिहार के दरभंगा से दिल्ली आ रहे स्पाइसजेट के विमान में बम रखे होने की कॉल हुई थी।

सीआईएसएफ के माध्यम से इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। उन्हें बताया गया कि किशोर नामक शख्स ने विमान कंपनी के कॉल सेंटर में यह जानकारी दी है। उसने बताया कि दो युवक दरभंगा से दिल्ली आ रहे विमान में बम रखे होने की बात कर रहे थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित कर विमान को सकुशल उतार लिया गया। खाली जगह ले जाकर विमान की तलाशी ली गई, जिसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

इसे लेकर गुरुग्राम में मामला दर्ज किया गया, जहां विमान कंपनी के कॉल सेंटर में फोन आया था। थानाध्यक्ष यशपाल सिंह की देखरेख में एसआई प्रेम नारायण ने कॉल करने वाले की तलाश शुरू की। पुलिस ने इस विमान में टिकट बुक करने वाले यात्रियों की जानकारी जुटाई। इससे पता चला कि जय कुमार नामक शख्स देरी के चलते विमान में सवार नहीं हो सका। पुलिस टीम ने उसे नोएडा से पकड़ लिया। उसने यह कॉल करने की बात कबूल कर ली। उसने बताया कि बीते 24 जनवरी को उसे एयरपोर्ट पहुंचने में देरी हो गई थी। विमान को रोकने के लिए उसने यह झूठी कॉल कर दी थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व को बताया रामराज्य का महत्व: सतपाल जी महाराज

सतपाल महाराज ने अयोध्या में श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर देश-विदेश के साधु-संतों के साथ कार्यक्रम में प्रतिभाग कर श्री रामलला के दर्शन करने के बाद कहा कि अवधपुरी के साथ-साथ पूरा विश्व राममय हो गया है।

श्री महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में प्रभु श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप में प्रतिभाग कर राजनीति में धर्म और लोकनीति का संदेश देने के साथ-साथ पूरे विश्व को रामराज्य की अवधारणा से भी अवगत कराया है। इस अवसर पर साथ में महाराज जी की धर्मपत्नी श्रीमती अमृता रावत और कनिष्क सुपुत्र श्री सुयश रावत भी मौजूद रहे।

संवाददाता, धुरन्धर टाइम्स

देहरादून। अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि पर बने भव्य, दिव्य और नव्य श्रीराम मंदिर के गर्भ ग्रह में वैदिक विधि विधान से श्रीरामलला के बाल विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का अवसर मिलना हमारे लिए गर्व की बात है। उक्त बात प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और राष्ट्र संत सतपाल महाराज ने अयोध्या में श्री रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रतिभाग कर कहीं। उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्री रामलला के बाल विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पूरे देश में ₹देवत्व से देश की ओर और राम से राष्ट्र की ओर₹ का संदेश गया है।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और राष्ट्रसंत श्री

दो लोगों के अंगदान से 12 लोगों को नई जिंदगी मिली

नई दिल्ली,संवाददाता, धुरन्धर टाइम्स

हरियाणा में हुए दो अलग-अलग हादसों में दो लोगों की जिंदगी चली गई। इनके परिजनों के अंगदान के साहसी निर्णय की बदौलत दिल्ली के अलग-अलग अस्पतालों में 12 लोगों को नई जिंदगी मिली है। एम्स की आर्बो विभाग की प्रमुख प्रोफेसर आरती विज के मुताबिक राजस्थान के भरतपुर के रहने वाले 51 वर्षीय बच्चू और हरियाणा के फरीदाबाद की रहने वाली 40 वर्षीय माया दो अलग-अलग हादसों में घायल होकर इलाज के लिए एम्स आए थे। डॉक्टरों के काफी प्रयासों के बावजूद इन्हें बचाया नहीं जा सका।

इनके परिजनों की सहमति से दोनों के शरीर से एक दिल, दो लिवर, चार किडनी, आंखों के चार कॉर्निया और एक व्यक्ति को त्वचा दान की गई। इनमें सात लोगों को तो तुरंत अंग प्रत्यारोपण से नई जिंदगी मिली है, बल्कि आंखों के चार कॉर्निया और त्वचा को एम्स के नेत्र और त्वचा बैंकों में सुरक्षित रखा गया है।

राजस्थान के भरतपुर निवासी बच्चू सिंह हरियाणा के पलवल में राजमिस्त्री हैं। एक दिन वे रेलवे ट्रैक पर बुरी तरह घायल हो गए। उन्हें पहले एक नजदीकी अस्पताल और फिर वहां से एम्स दिल्ली के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती किया गया। यहां डॉक्टरों ने उन्हें बचाने का काफी प्रयास किया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका और अंततः उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया गया। इसके बाद अंग प्रत्यारोपण कोर्डिनेटर बलराम की टीम ने उनके परिवार की काउंसलिंग की और उन्हें अंगदान के बारे में बताया तो परिवार राजी हो गया। बच्चू के परिवार में उनकी पत्नी के अलावा 18 साल की बेटी निशा और एक 17 साल का बेटा है। बेटी निशा ने बताया कि पापा तो अब जिंदा नहीं रहे, लेकिन उनके अंगदान से कई लोगों को जिंदगी बच जाए तो उससे अच्छा क्या है।

गंगा के पवित्र घाटों पर स्नान करती महिलाओं के वीडियो और छायाचित्र लेने पर प्रतिबंध लगाने की हिंदू जनजागृति समिति की मांग !

आपत्तिजनक वीडियो-छायाचित्र लेने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग और उत्तराखंड राज्य महिला आयोग से शिकायत!

नई दिल्ली,

महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया पर महिलाओं और नाबालिग लड़कियों के अश्लील और अनधिकृत वीडियो, छायाचित्र प्रसारित किए जा रहे है । इस के लिए दोषी हीरो सिटी व्लॉग, हरिद्वार व्लॉग, गोविंद यूके व्लॉग, अद्भुत व्लॉग, शांति कुंज हरिद्वार व्लॉग और अन्य दोषी के विरुद्ध आईपीसी की धारा 354-सी/509, सूचना प्रौद्योगिकी की धारा 66-ई/67/67-ए और पोक्सो अधिनियम की धारा 14 के अनुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाय, ऐसी मांग मोगा, पंजाब के अधिवक्ता अजय गुलाटी और हिंदू जनजागृति समिति की दिल्ली की अधिवक्ता अमिता सचदेवा द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग और उत्तराखंड राज्य महिला आयोग से की गयी है ।

दर्ज शिकायत में आगे कहा गया है कि, डिजिटल और सोशल

मीडिया प्लेटफार्म पर बड़े पैमाने पर हानिकारक और आपत्तिजनक सामग्री समाज के सामने परोसी जा रही है।

अब इसमें मुख्य रूप से विभिन्न व्लॉगर्स शामिल हैं जो गुप्त रूप से पवित्र नदी गंगा में स्नान कर रही महिलाओं के वीडियो-रील-शॉर्ट्स बनाते हैं, उनके छायाचित्र खींचते हैं और उनकी सहमति के बिना थोडे से धन के लिए उन्हें विभिन्न इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करते हैं। इस कारण से समाज में कई महिलाओं को अपने परिवार, रिश्तेदारों और दोस्तों के सामने अपमानजनक स्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिससे उन्हें शर्मिंदगी उठानी पड़ती है। साथ ही उन वीडियो-तस्वीरों के नीचे लिखे गए अश्लील और आपत्तिजनक टिप्पणियों (कमेंट्स) से उनकी प्रतिष्ठा और छवि को नुकसान पहुंच रहा है । कोई भी सभ्य महिला इतने सारे अजनबियों से इस तरह की प्रताड़ना और अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकती। ऐसी वीडियो-फोटोग्राफी सभ्य समाज पर काला धब्बा है। इसलिए, सरकार को गंगा नदी के उद्गम स्थल से लेकर गंगासागर तक विभिन्न पवित्र घाटों पर वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी पर प्रतिबंध लगाने की तत्काल आवश्यकता है। साथ ही ऐसे कृत्य करने वाले दोषियों के सभी आपत्तिजनक वीडियो, फोटो, रील्स और शॉर्ट्स को यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि सोशल या अन्य इंटरनेट मीडिया से हटाने के निर्देश सरकार ने तुरंत जारी करने चाहिए।

इंटरनेट और सोशल मीडिया पर महिलाओं या लड़कियों की अपमानजनक वीडियो-छायाचित्र अपलोड करने वालों पर न केवल जुमार्ना लगाया जाएगा, बल्कि इस गंभीर अपराध के लिए आईपीसी के तहत अभियोग चलाना चाहिए और उन्हे कड़ी सजा देनी चाहिए, ऐसी मांग भी समिति द्वारा की गयी है ।

भाजपा के अमृत काल में देश का आर्थिक मॉडल खस्ताहाल : अरविन्दर सिंह लवली

नई दिल्ली,संवाददाता, धुरन्धर टाइम्स

आगामी 3 फरवरी को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की पूर्वी दिल्ली के गीता कालोनी, रामलीला मैदान में आयोजित होने वाले विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियों के संबध में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली ने आज उत्तर पश्चिम दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली लोकसभा में आयोजित बैठकों सम्बोधित करते हुए कहा कि लोकसभा चुनावों के लिए जहां हमें परिश्रम करना होगा वहीं योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़कर जनता के बीच जाकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का बूथ स्तर का कार्यकर्ता दूसरी पार्टी के विधायकों से अधिक कारगर है क्योंकि वह जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को निपटाने में सक्षम है जबकि दोनो पार्टियों के जनप्रतिनिधि लोगों के लिए उपलब्ध नही होते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भाजपा ने अधिकतर सरकारी संस्थाओं को बेचकर तथा चिन्हित पूंजीपतियों को लाभ पहुचाने की नीति के तहत देश को आर्थिक रूप से कमजोर कर दिया है। दोनों संसदीय क्षेत्रों की बैठकों में प्रदेश अध्यक्ष श्री लवली के अलावा पूर्व सांसद कृष्णा तीरथ, रमेश कुमार, डॉ. उदित राज, कांग्रेस वर्किंग सदस्य एवं पूर्व विधायक देवेन्द्र यादव, दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री हारुन यूसूफ, राजकुमार चौहान, सुरेन्द्र कुमार, चरण सिंह कंडेरा, दर्शना रामकुमार, पं0 टेकचन्द शर्मा, विजय लोचव, जगप्रवेश कुमार, जिला अध्यक्ष राजेश चौहान, विष्णु अग्रवाल, इंन्द्रजीत सिंह, ओम प्रकाश बिधूड़ी, कमलकांत शर्मा, जगजीवन शर्मा, जय किशन शर्मा, पूर्व निगम पार्षद प्रवीण राणा, पन्ना लाल खेरवाल, खविन्दर सिंह कैप्टन, मीर सिंह, सतीश गुप्ता, राकेश इस्सर और हरीश नागर, डा0 शम्भु दयाल शर्मा, अरुणा देवी और पृथ्वी सिंह राठौड़, डा0 नरेश कुमार, जितेन्द्र बघेल, जगजीत सिंह सिक्का, सुखबीर शर्मा, पीएस बावा, जितेन्द्र बघेल, हर्ष चौधरी, अजीत बशिष्ठ, शबनम रियाज, रवि दत्त गौड़, राजेन्द्र तंवर, एस.सी. विभाग चेयरमैन सुनील कुमार, कांता शर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

आप का आरोप- ऑपरेशन लोटस की साजिश रच रही भाजपा, विधायकों को 25 करोड़ का ऑफर

नई दिल्ली,संवाददाता, धुरन्धर टाइम्स

आम आदमी पार्टी के विधायक दुर्गेश पाठक ने भाजपा पर आप विधायकों की खरीद-फरोख्त की कोशिश का आरोप लगाया है. पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान पाठक ने कहा कि बीजेपी एक रोग से ग्रसित है जिसका नाम 'ऑपरेशन लोटस' है. बीजेपी ने इसे कर्नाटक, गोवा, अरुणाचल प्रदेश सहित कई राज्यों में चलाया और सफलता भी मिली. इन्होंने दिल्ली में भी कई बार 'ऑपरेशन लोटस' चलाने की कोशिश की. आप के कई विधायकों से संपर्क कर उन्होंने कहा कि वह आम आदमी पार्टी को खत्म करने वाले हैं.

दुर्गेश पाठक ने कहा कि भाजपा आप के 7 विधायकों से संपर्क कर उनको 25-25 करोड़ रुपए देने का ऑफर किया. साथ ही आगामी चुनाव में टिकट देने का वादा भी कर रही है. कई विधायकों ने सबूत के तौर पर इसकी रिकॉर्डिंग भी कर ली है. उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक पैटर्न तैयार किया है कि जहां वह चुनाव नहीं जीत पाते हैं, वहां ऑपरेशन लोटस चलाते हैं. 2013 में जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी 28 सीटें लेकर आई थी, हमने उस समय के भाजपा नेता शेर सिंह डागर का स्टिंग जारी किया था.

तब वह विधायकों की खरीद-फरोख्त की कोशिश कर रहे हैं. इनका एक ही मकसद है कि किसी भी तरह से केजरीवाल को गिरफ्तार कर आम आदमी पार्टी को खत्म किया जाए.

पाठक ने कहा कि यही कारण है कि भाजपा ने फर्जी शराब घोटाले का षडयंत्र रचा. उसके तहत मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार किया.

और, अब दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को गिरफ्तार करने की बात कर रहे हैं. भाजपा जिस भी राज्य में जाती है, लोग इनसे पूछते हैं कि केजरीवाल ने ये काम कर दिया तो तुम क्यों नहीं कर पा रहे हो.

इसी कारण से यह लोग पूरी तरह बौखलाए हुए हैं. दिल्ली की जनता ने बहुमत के साथ आम आदमी पार्टी की सरकार चुनी है. ऐसे में इस प्रकार के षड्यत्र करना अलोकतांत्रिक है.

दुर्गेश पाठक ने कहा कि कभी भाजपा नेता मनोज तिवारी तो कभी गौरव भाटिया आकर कहते हैं कि केजरीवाल को गिरफ्तार करेंगे. यह सबकुछ दिखाता है कि भाजपा एक स्क्रिप्ट पर काम कर रही है कि शराब घोटाला चलाओ, इनके नेताओं को गिरफ्तार करो. इनके विधायकों को खरीदो और केजरीवाल को गरिफ्तार कर आम आदमी पार्टी को खत्म कर दो. उन्होंने कहा कि जब आपके पास भगवान और जनता का आशीर्वाद होता है तो शाम-दाम-दंड-भेद, सब बेकार जाता है.

सीएम केजरीवाल को गिरफ्तार कराकर दिल्ली में सरकार गिराना चाहती है बीजेपी : आतिशी

नई दिल्ली,संवाददाता, धुरन्धर टाइम्स

दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने भाजपा पर ऑपरेशन लोटस के तहत विभिन्न राज्यों में विधायकों को खरीदकर या डरा धमकाकर सरकार गिराने का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा है कि भाजपा अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी से गिरफ्तार करवाकर सरकार गिरना चाहती है. इसके लिए बीजेपी आम आदमी पार्टी के विधायकों को खरीदने व तोड़ने की कोशिश कोशिश कर ही है. उनके पास इसकी रिकार्डिंग भी है जो वो समय आने पर सार्वजनिक करेंगी.वहीं बिहार में नितीश कुमार के भाजपा में शामिल होने के आसार पर आतिशी ने कहा कि, बिहार में हम उम्मीद करते हैं कि जो जेडीयू और आरजेडी के बीच में जो मुद्दे चल रहे हैं वह जल्द हल होंगे. भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में चुनी हुई आम आदमी पार्टी की सरकार को गिराने की कोशिश कर रही है. पिछले कुछ दिनों में आम आदमी पार्टी के सात विधायकों से भाजपा ने संपर्क किया है. बीजेपी ने उनसे कहा है कि हम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने वाले हैं. इसके बाद एक एक विधायकों को तोड़ेंगे. हम आम आदमी पार्टी के 21 विधायकों के संपर्क में हैं. उनके माध्यम से दिल्ली की चुनी हुई सरकार को गिरा देंगे. आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने हमारे इन सातों विधायकों को भाजपा में शामिल होने के लिए 25-25 करोड़ रुपये का ऑफर दिया है.उन्होंने कहा कि यह भजपा पहली बार यह ऑपरेशन नहीं चला रही. जिन जिन राज्यों में उनकी सरकार नहीं बनती है, वहां वे पैसे देकर, डरा-धमकाकर, सीबीआई और ईडी से केस करा के विधायकों को तोड़कर सरकार गिराने का काम करते हैं. महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश में भाजपा ने चुनी हुई कई बार गिराया गया है. दिल्ली में भी भाजपा दो बार इसकी कोशिश कर चुकी है. तब भाजपा ने हमारे विधायकों को तोड़ने की कोशिश की थी, लेकिन हमारे विधायकों ने भाजपा उपाध्यक्ष शेर सिंह डागर का एक स्टिंग देश के सामने रखा था. 2022 में विधायकों को 20-20 करोड़ रुपये देकर विधायकों खरीदने की कोशिश की गई थी, लेकिन दोनों बार भाजपा का ऑपरेशन लोटस फेल रहा. आम आदमी पार्टी के विधायक भाजपा की धमकियों से नहीं डरते हैं और न ही लालच में आते हैं.

आतिशी ने आगे कहा कि अब भाजपा ऑपरेशन 2.0 चला रही है, जिसमें वह अरविंद केजरीवाल को तथाकथित शराब घोटाले में गिरफ्तार कराना चाहती है. इसके बाद वह विधायकों को डराकर और खरीदकर दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार को गिराना चाहती है. पार्टी के विधायक धमकियों से नहीं डरने वाले हैं. दिल्ली के लोगों ने भरोसा कर हमें दो बार जिताया है. हम दिल्ली के लोगों के लिए तन मन धन से काम करते रहेंगे. यदि अरविंद केजरीवाल को जेल में डाला तो भाजपा दिल्ली में सातों लोकसभा सीट पर जीरो पर सिमट जाएगी.

भाजपा का आरोप, ईडी को डराने के लिए लालू परिवार ने जुटाई भीड़

पटना । भाजपा ने आरोप लगाया है कि लालू और उसके परिवार ने ईडी के अफसरों को डराने के लिए भीड़ जुटाई थी। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि रेलवे की नौकरी के बदले लोगों की कीमती जमीन लिखवाने के मामले में लालू प्रसाद यादव और उनके पुत्र तेजस्वी प्रसाद यादव से पूछताछ के दौरान ईडी पर दबाव बनाने और अफसरों को डराने के लिए समर्थकों की भारी भीड़ जुटाना राजद के आपराधिक चरित्र का सूचक है। सुशील मोदी ने अपना बयान जारी कर कहा कि ईडी पर दबाव बनाने और अफसरों को डराने के लिए अपनाये जा रहे हथकंडों से न तो जांच रुकेगी और न लालू परिवार दोषमुक्त हो पाएगा। उन्होंने कहा कि रेलवे की नौकरी के बदले जमीन लेने तथा मनी लॉन्ड्रिंग के प्रमाण मिलने पर सीबीआई ने आरोप पत्र दायर किया। इस आधार पर प्रवर्तन ईडी पिछले साल से लगातार कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि पटना में लालू यादव और तेजस्वी से पूछताछ भी इसी प्रक्रिया का ?हिस्सा है। भाजपा सांसद मोदी ने कहा कि 10 मार्च 2023 को दिल्ली-पटना में लालू परिवार के विभिन्न परिसरों पर छापा मारा गया और एक करोड़ रुपए नकद तथा 1.25 करोड़ रुपए के कीमती सामान जब्त किए गए थे। ईडी ने उसी समय छह करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के मकान, फ्लैट और दिल्ली का बंगला भी जब्त किया था। 11 नवम्बर 2023 को लालू परिवार के लिए काम करने वाली फर्जी कंपनी एके इन्फोसिस्टम्स और एबी एक्सपोर्ट्स के मालिक अमित कात्याल की गिरफ्तारी हुई। वह अब भी न्यायिक हिरासत में है। सांसद मोदी ने कहा कि एके इन्फोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के मालिक अमित कात्याल की गिरफ्तारी के बाद से लालू परिवार पर कानून का शिकंजा कसता गया। भाजपा सांसद ने कहा कि तेजस्वी यादव को बताना होगा कि वे दिल्ली में 150 करोड़ के मकान डी-1088 के मालिक कैसे बन गए।

नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की कैद

जींद । एक नाबालिग लड़की के अपहरण और उसके साथ दुष्कर्म करने के अपराध में एक व्यक्ति को जींद की एक अदालत ने 20 साल कैद की सजा सुनायी है। साथ ही उस पर 30 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया है। ?मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डा. चंद्रहास की अदालत ने एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने के जुर्म में अभियुक्त प्रदीप को बीस साल के कारावास की सजा सुनायी और उसपर 30 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। अदालत ने कहा कि जुर्माना न भरने की सूरत में अभियुक्त को दो साल की अतिरिक्त कैद की सजा भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार सिविल लाइन थानाक्षेत्र के एक व्यक्ति ने 17 मार्च 2023 को पुलिस में रिपोर्ट की थी की 16 मार्च को उसकी 17 वर्षीय बेटी घर से गायब है। उस दौरान शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि राम कालोनी के प्रदीप ने उसकी बेटी का अपहरण किया है। पुलिस ने गायब लड़की को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने प्रदीप के खिलाफ अपहरण के अलावा पोक्सो कानून की धाराएं भी लगाई थीं, तभी से यह मामला अदालत में चल रहा था।

लेह लद्दाख में चरवाहों ने चीनी सैनिकों को दिखाई आंख, यह भारत की भूमि

-चुशुल के पार्षद ने सोशल मीडिया पर शेयर किया वीडियो

नई दिल्ली । लेह लद्दाख के सुदूर पर्वतीय इलाके में फिर से चीनी सेना की नापाक हरकत सामने आई है। लद्दाख में चरवाहों के एक समूह ने चीनी सैनिकों का तब सामना किया जब उन्होंने भारत-चीन सीमा के पास स्थानीय लोगों को भेड़ चराने से रोकने की कोशिश की। चरवाहे, जिन्होंने 2020 के गलवान संघर्ष के बाद क्षेत्र में जानवरों को चराना बंद कर दिया था, अब क्षेत्र में लौट आए हैं लेकिन चीनी सेना ने उन्हें रोक दिया है। इस बात से घबराए बिना, लोगों ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सदस्यों से सवाल कर कहा कि वे भारतीय क्षेत्र में थे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किया गया है, जिसमें कई लोगों ने चरवाहों की बहादुरी पर टिप्पणी की है। वीडियो साझा कर, चुशुल के पार्षद कोंचोक स्टैनजिन ने कहा कि वह खानाबदोशों को सलाम करते हैं। जो हमेशा हमारी भूमि की रक्षा के लिए खड़े रहते हैं और राष्ट्र की दूसरी संरक्षक शक्ति के रूप में खड़े होते हैं। स्टैनजिन ने कहा कि देखिए कैसे हमारे लोग पीएलए के सामने अपनी बहादुरी दिखा रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि जिस क्षेत्र को वे रोक रहे हैं, वह हमारे खानाबदोशों की चरागाह भूमि है। पीएलए हमारे खानाबदोशों को हमारे क्षेत्र में चरने से रोक रही है। ऐसा लगता है कि विभिन्न कारणों से यह कभी न खत्म होने वाली प्रक्रिया है धारणाओं की रेखाएँ। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि चरवाहों का सेना के सामने खड़ा होना यह देखकर खुशी होती है।

टीपू सुल्तान की मूर्ति पर जूतों की माला, कर्नाटक शहर में शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन

बैंगलोर। कर्नाटक के रायचूर जिले में बुधवार को उस समय तनाव फैल गया, जब मैसूर के पूर्व शासक टीपू सुल्तान की तस्वीर को जूते की माला पहनाई गई। मुस्लिम समुदाय ने यातायात अवरुद्ध कर भारी विरोध प्रदर्शन किया और उपद्रवियों की गिरफ्तारी की मांग की. प्रदर्शनकारियों ने सिरवार कस्बे में टायरों में भी आग लगा दी. बाद में चित्र से माला हटा दी गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया है कि वह 24 घंटे के भीतर बदमाशों को गिरफ्तार कर लेगी। इस आश्वासन के बाद धरना वापस ले लिया गया है। रायचूर के सिरवार पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। हालाँकि, यह पहली बार नहीं है कि कर्नाटक में टीपू सुल्तान को लेकर विरोध प्रदर्शन हुआ है। पिछले साल दिसंबर में टीपू सुल्तान के नाम पर मैसूरु हवाई अड्डे का नाम बदलने के कांग्रेस विधायक प्रसाद अब्बय्या के प्रस्ताव की कर्नाटक विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने तीखी आलोचना की थी। हुबली-धारवाड़ (पूर्व) विधायक का प्रस्ताव राज्य सरकार द्वारा हवाई अड्डों के नाम बदलने के लिए केंद्र को पत्र लिखने पर चर्चा के दौरान आया। सत्र के दौरान अब्बय्या ने कहा मैं मैसूरु हवाईअड्डे का नाम बदलकर टीपू सुल्तान हवाईअड्डा करने का प्रस्ताव करता हूं। इससे बीजेपी और बीजेपी विधायकों में हंगामा मच गया। 18वीं सदी के शासक कई वर्षों से कांग्रेस और भाजपा के बीच वाकयुद्ध के केंद्र में रहे हैं। मुस्लिम शासक को लेकर विवाद पहली बार 2016 में शुरू हुआ, जब तत्कालीन सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने 10 नवंबर को उनके जन्मदिन को 'टीपू जयंती' के रूप में मनाना शुरू किया। हालाँकि, भाजपा ने इस कदम का विरोध किया और 2019 में राज्य में सत्ता में आने के बाद इसे रद्द कर दिया गया।

कुल्लू-मनाली में सीजन का पहला स्नोफॉल, खुशगवार हुआ मौसम

-भारी बर्फबारी में अटल टनल के आसपास फंसे 300 पर्यटकों को सुरक्षित निकाला

शिमला । कुल्लू-मनाली में इस समय भारी बर्फबारी हो रही है। हालांकि लोग यहां पर लंबे समय से बर्फबारी-बारिश का इंतजार कर रहे थे। अब लेकिन हिमाचल प्रदेश के टूरिस्टों के लिए यह खुशखबरी है। प्रदेश भर में मनाली, कुल्लू, लाहौल स्पीति, डलहौजी, पांगी, भरमौर सहित ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई है। साथ ही मंडी, हमीरपुर, बिलासपुर सहित अन्य जिलों में बारिश हुई है। इस दौरान लाहौल स्पीति में अटल टनल सहित अन्य इलाकों में बड़ी संख्या में टूरिस्ट फंस गए थे, जिन्हें कुल्लू और लाहौल पुलिस ने सुरक्षित निकाला है। फिलहाल, बुधवार को प्रदेश के मंडी, कुल्लू, मनाली सहित ज्यादातर इलाकों में बादल छाए हुए हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, कुल्लू पुलिस ने अटल टनल रोहतांग से सोलंगनाला तक 300 पर्यटकों को सुरक्षित रेस्क्यू कर मनाली पहुँचाया है। एसडीएम रमन शर्मा ने एसएचओ तहसीलदार और लोकल लोगों के साथ मिलकर रेस्क्यू अभियान चलाया है। एसडीएम रमन शर्मा ने बताया कि अटल टनल रोहतांग के आसपास भारी बर्फबारी में फंसे 50 पर्यटक वाहनों और एचआरटीसी बस मे क़रीब 300 पर्यटकों को प्रशासन की टीम ने सकुश?ल मनाली पहुंचाया। एसडीएम रमन शर्मा ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर सभी टूरिस्ट सुरक्षित निकाल लिए गए हैं। इधर बर्फबारी का इंतजार कर रही मनाली की पब्लिक के लिए भी खुशखबरी है। मनाली शहर में सीजन का पहला हिमपात देर रात हुआ। यहां मंगलवार देर शाम पहले बारिश हुई और फिर बर्फबारी भी हुई। बर्फबारी के चलते मनाली में पर्यटन कारोबारी और किसान-बाग़वानों के चेहरे खिल गए हैं।

मंदिर कोई पिकनिक स्पॉट नहीं, यह धार्मिक स्थल है : उच्च न्यायालय

-तमिलनाडु के मंदिरों में हाई कोर्ट ने लगाई गैर हिंदुओं की एंट्री पर रोक

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के मंदिरों में गैर हिंदुओं को प्रवेश पर रोक लगाते हुए कहा है कि मंदिर कोई पिकनिक स्पॉट नहीं, बल्कि यह धार्मिक स्थल है। मंगलवार को हाई कोर्ट ने हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती (एचआर एंड सीई) विभाग को सभी हिंदू मंदिरों में बोर्ड लगाने का निर्देश दिया। जिसमें कहा गया हो कि गैर-हिंदुओं को कोडिमारम (ध्वजपोल) क्षेत्र से आगे जाने की अनुमति नहीं है। उन घटनाओं पर प्रकाश डालते हुए जहां गैर-हिंदुओं ने कथित तौर पर गैर-धार्मिक उद्देश्यों के लिए मंदिरों में प्रवेश किया, मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ के न्यायमूर्ति एस श्रीमथी ने कहा, मंदिर कोई पिकनिक या पर्यटन स्थल नहीं है। कोर्ट के इस फैसले में बिना किसी हस्तक्षेप के अपने धर्म का पालन करने के हिंदुओं के मौलिक अधिकार पर जोर दिया गया। यह निर्णय डी सेंथिलकुमार द्वारा दायर एक याचिका के दौरान आया, जिन्होंने डिंडीगुल जिले के पलानी में अरुलमिगु पलानी धनदायुथापानी स्वामी मंदिर और उसके उप-मंदिरों में अकेले हिंदुओं को प्रवेश करने की अनुमति मांगी थी।

हाई कोर्ट ने मंदिर के प्रवेश द्वारों, ध्वजस्तंभ के पास और अन्य प्रमुख स्थानों पर ऐसे बोर्ड लगाने का निर्देश दिया, जो कोडिमारम से परे गैर-हिंदुओं पर प्रतिबंध का संकेत देते हों। इसमें यह भी कहा गया है कि यदि कोई गैर-हिंदू किसी विशिष्ट देवता के दर्शन करना चाहता है, तो उन्हें हिंदू धर्म में अपनी आस्था और मंदिर के रीति-रिवाजों का पालन करने की इच्छा की पुष्टि करने वाला एक वचन पत्र देना होगा। अदालत ने फैसला सुनाते हुए निर्देश दिया कि वे उन गैर-हिंदुओं को अनुमति न दें जो हिंदू धर्म में विश्वास नहीं करते हैं। यदि कोई गैर-हिंदू मंदिर में किसी विशेष देवता के दर्शन करने का दावा करता है, तो उत्तरदाताओं को उक्त गैर-हिंदू से एक वचन लेना होगा कि वह देवता में आस्था है, और वह हिंदू धर्म के रीति-रिवाजों और प्रथाओं का पालन करेगा और मंदिर के रीति-रिवाजों का भी पालन करेगा और इस तरह के उपक्रम पर उक्त गैर-हिंदू को मंदिर में जाने की अनुमति दी जा सकती है।

इतना ही नहीं अदालत ने मंदिर प्रशासन को रीति-रिवाजों, प्रथाओं और आगमों को सख्ती से बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसने आदेश को पलानी मंदिर तक सीमित रखने की उत्तरदाताओं की याचिका को खारिज कर दिया, और कहा कि सांप्रदायिक सद्भाव और शांति सुनिश्चित करने के लिए निर्देश सभी हिंदू मंदिरों पर लागू होना चाहिए। अदालत ने कहा कि यह एक बड़ा मुद्दा है और यह सभी हिंदू मंदिरों पर लागू होना चाहिए, इसलिए उत्तरदाताओं की याचिका खारिज कर दी जाती है। इसलिए, राज्य सरकार, मानव संसाधन और सीई विभाग, मंदिर प्रशासन में शामिल सभी व्यक्तियों को सभी हिंदू मंदिरों के लिए निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया है।

बजट सत्र के दौरान संसद भवन की सुरक्षा में हुआ बड़ा बदलाव

नई दिल्ली । संसद का बजट सत्र आज बुधवार से शुरू हो गया है। इस दौरान संसद भवन परिसर की सुरक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव हुआ है, ताकि किसी तरह की कोई सुरक्षा में खामी न रहे। अब संसद की सुरक्षा में सीआईएसएफ को भी शामिल करते हुए खास चेकिंग हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार संसद भवन की सुरक्षा व्यवस्था के तहत अब बजट सत्र में भाग लेने वाले आम लोगों की खास ड्रिल के तहत चेकिंग हो रही है। संसद की सुरक्षा व्यवस्था में पहले भारी चूक हो चुकी है, जिससे सबक लेते हुए यह बदलाव हुआ है। अब संसद भवन के एंट्री प्वाइंट पर एयरपोर्ट की तरह सीआईएसएफ की 2 लेवल चेकिंग हो रही है। इसके अलावा हर आगंतुक के सामान को ट्रे में रखवा कर स्कैनर के जरिए चेक किया जा रहा है। अब संसद के बजट सत्र के मद्देनजर इस बार सीआईएसएफ आउटर लेयर की सुरक्षा का जिम्मा संभाल रही है, जिसमें फ्रिस्किंग और चेकिंग शामिल है। सीआईएसएफ ने 140 जवानों को शुरुआत में बजट सत्र में फ्रिस्किंग के लिए तैनात किया है। जवानों ने फ्रिस्किंग का काम शुरू कर दिया है। इससे पहले सीआईएसएफ के सुरक्षा कर्मियों ने संसद भवन परिसर की महत्वपूर्ण ड्रिल की थी। उन्होंने भवन के कोने-कोने की तलाशी लेकर पहले संतुष्टि कर ली है। बताया जा रहा है कि पिछले सत्र में संसद भवन सुरक्षा चूक प्रकरण के बाद खासतौर पर इस ड्रिल को तैयार किया गया है, जिसमें दिल्ली पुलिस सीआईएसएफ और सीआरपीएफ के जवान शामिल हैं। संसद का बजट सत्र आज यानी 31 जनवरी से शुरू हो रहा है और 9 फरवरी तक चलेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण के साथ शुरू होने वाला संसद का बजट सत्र वर्तमान लोकसभा का आखिरी सत्र है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले 1 फरवरी को अंतरिम बजट पेश करेंगी।

यूपी में इंडिया गठबंधन में रार, सीटों को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच दिखी तानातनी

-सपा की 11 सीटों को कांग्रेस ने बताया हास्यास्पद

लखनऊ (एजेंसी)। पीएम मोदी को सत्ता से हटने के लिए बना इंडिया गठबंधन में इनदिनों सबकुछ ठीक नहीं है। इस कारण है कि उत्तर प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच तनातनी देखने को मिल रही है। सपा द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस को 11 सीटें देने और 16 उम्मीदवारों के नाम के ऐलान पर कांग्रेस ने अपनी नाराजगी जाहिर की है। यूपी कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि स्वाभाविक रूप से, हम सभी को पहले एक आम सहमति पर आना होगा, इस बात पर आम सहमति है कि भारतीय जनता पार्टी को हराना है, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि हम उन्हें कैसे हराएंगे, इसके लिए हम सभी को सहमत होना होगा चाहे वह किसी भी मामले में हो। हमें समय-समय पर समन्वय बनाते रहना होगा।

कांग्रेस नेता पांडे ने कहा कि अगर सपा कहती है कि उन्होंने कांग्रेस को सीटें दीं तब यह हास्यास्पद है। अगर कोई राष्ट्रीय पार्टी उनके साथ समझौता कर रही है, तब हमारी भी अपनी एक पहचान है। उन्होंने कहा कि अगर आज भी किसी को इसकी कमी लगती है, तब मैं समझता हूं कि उसे गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए। कांग्रेस हमेशा से मजबूत रही है, कभी-कभी इसमें कुछ ढिलाई भी आई होगी, लेकिन आने वाले सालों में आप इस एक बड़ी ताकत के रूप में उभरता हुआ देख सकते है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर सपा या कोई अन्य पार्टी कहती है कि उन्होंने कांग्रेस को सीटें दी हैं, तब मुझे नहीं पता कि मैं इस पर क्या टिप्पणी करूं, ये अपने आप में हास्यास्पद बातें हैं। कोई भी एकतरफा फैसला नहीं होता है, गठबंधन में शामिल सभी लोग एक साथ आते हैं और सर्वसम्मति से उस बात की घोषणा करते है। उन्होंने कहा कि आज भी हमारे मन में समाजवादी पार्टी के प्रति पूरा सम्मान है और बहुत सकारात्मक चर्चा चल रही है, लेकिन इस तरह के ट्वीट या ऐसी खबरें या प्रेस में दी जा रही ऐसी बातें निश्चित तौर पर सवालिया निशान खड़ा करती हैं। पांडे ने कहा कि अगर यह खुलेआम दिख रहा है कि समाजवादी पार्टी गठबंधन का पालन नहीं कर रही है, तब ऐसा ही है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट कैंसिल होने पर जमकर हुआ हंगामा, नाराज पैसेंजर्स ने लगाए- इंडिगो चोर है के नारे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हवाईअड्डे पर भारी अराजकता फैल गई, जब यात्रियों ने देवघर जाने वाली उड़ान रद्द करने के बाद इंडिगो एयरलाइन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और नारे लगाए। उड़ान दिल्ली हवाईअड्डे के टर्मिनल 2 से उड़ान भरने वाली थी। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में यात्रियों के एक समूह को इंडिगो चोर है, 'इंडिगो हाय हाय' और 'बंद करो बंद करो' जैसे नारे लगाते हुए सुना जा सकता है। यह घटना विमानन नियामकों - नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीसीजीए) और नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) द्वारा एयरलाइन को कई देरी के बाद खींचे जाने के कुछ ही हफ्तों बाद हुई है, जिससे बड़े पैमाने पर अराजकता हुई। इंडिगो तब सुर्खियों में आया जब यात्रियों के एक समूह का मुंबई हवाई अड्डे के टरमैक पर बैठकर खाना खाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो एयरलाइन और मुंबई हवाई अड्डे पर क्रमशः रू.1.20 करोड़ और रू.90 लाख का भारी जुर्माना लगाया।

इस बीच, घने कोहरे के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर खराब दृश्यता के कारण इंडिगो ने बुधवार को कई उड़ानें रद्द कर दीं और उनमें देरी हुई। यात्रियों के लिए एक एडवाइजरी जारी करते हुए इंडिगो ऑन एक्स ने कहा, अनुमानित खराब मौसम के कारण दिल्ली, श्रीनगर और चंडीगढ़ में उड़ान संचालन प्रभावित होने की संभावना है। कृपया हवाईअड्डे के लिए रवाना होने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच कर लें। राष्ट्रीय राजधानी में लगातार तीसरे दिन घने कोहरे की मोटी परत छाई रही, जिससे दृश्यता प्रभावित हुई और उड़ान सेवाएं प्रभावित हुईं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली हवाई अड्डे पर सुबह शून्य दृश्यता दर्ज की गई। आईजीआई हवाईअड्डे ने भी यात्रियों के लिए एक एडवाइजरी जारी करते हुए कहा, हालांकि दिल्ली हवाईअड्डे पर लैंडिंग और टेकऑफ़ जारी है, लेकिन जो उड़ानें सीएटी ढ्ढढ्ढ के अनुरूप नहीं हैं, वे प्रभावित हो सकती हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अद्यतन उड़ान जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। किसी भी असुविधा के लिए गहरा खेद है।

ईडी ने पांचवी बार 2 फरवरी को केजरीवाल को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली । दिल्ली शराब घोटाला केस में फिर से मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ईडी ने समन किया है। आबकारी घोटाला मामले में ईडी ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पांचवीं बार समन जारी कर 2 फरवरी को पूछताछ में शामिल होने को कहा है। इसके पहले ईडी ने चार समन जारी कर चुकी हैं। चारों बार केजरीवाल जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए थे। इसके पहले दिल्ली शराब कांड में केजरीवाल को चौथे समन के तहत ईडी ने 18 जनवरी को पूछताछ में शामिल होने के लिए बुलाया था। केजरीवाल को तीसरा समन 3 जनवरी के लिए भेजा गया था। वहीं, पिछले साल दो नवंबर और 21 दिसंबर को भी अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के लिए पेश होने के लिए कहा गया था। चारों समन में वह जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए थे।

ममता ने कांग्रेस पर लगाया भाजपा की मदद का आरोप, बोलीं- एक भी सीट साझा नहीं करेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में गठबंधन के लिए तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व को मनाने की कांग्रेस पार्टी की कोशिशों के बीच, ममता बनर्जी ने बुधवार को मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व वाली पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि सीपीआई (एम) के साथ उनका गठबंधन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मजबूत करेगा। एक टिप्पणी में, जिसने वास्तव में राज्य में इंडिया गुट को ख़त्म करने का आह्वान किया, उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने उनकी दो सीटों की पेशकश को अस्वीकार कर दिया। ममता बनर्जी ने कहा कि कांग्रेस के पास राज्य विधानसभा में एक भी विधायक नहीं है। मैंने उन्हें दो लोकसभा सीटों की पेशकश की, दोनों मालदा में, लेकिन वे और अधिक चाहते थे। इसलिए, मैंने उनसे कहा कि मैं उनके साथ एक भी सीट साझा नहीं करूंगी। सीपीआई (एम) उनकी नेता है... क्या वे सीपीआई (एम) की यातनाओं को भूल गए हैं? ममता बनर्जी ने कहा कि वह वाम दल को कभी माफ नहीं कर पाएंगी क्योंकि उन्होंने पश्चिम बंगाल के लोगों पर अत्याचार किया है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि मैं सीपीआई (एम) को कभी माफ नहीं करूंगा।' मैं उन लोगों को भी माफ नहीं करूंगा जो सीपीआई (एम) का समर्थन करते हैं... क्योंकि ऐसा करके वे वास्तव में भाजपा का समर्थन करते हैं। पिछले पंचायत चुनाव में मैंने देखा है। बनर्जी ने कहा कि अगर मालदा से कांग्रेस के पूर्व दिग्गज दिवंगत गनी खान चौधरी के परिवार से कोई चुनाव लड़ता है तो उन्हें 'कोई आपत्ति नहीं' है। उन्होंने कहा कि वे (कांग्रेस) भाजपा को मजबूत करने के लिए सीपीआई (एम) के साथ मिलकर लड़ेंगे... केवल टीएमसी ही राज्य में भाजपा से राजनीतिक रूप से लड़ने में सक्षम है।

रामलला के खिलाफ अनशन, सुरन्या अय्यर के खिलाफ सोसायटी का एक्शन, मांफी मांगे या सोसायटी छोड़ दें

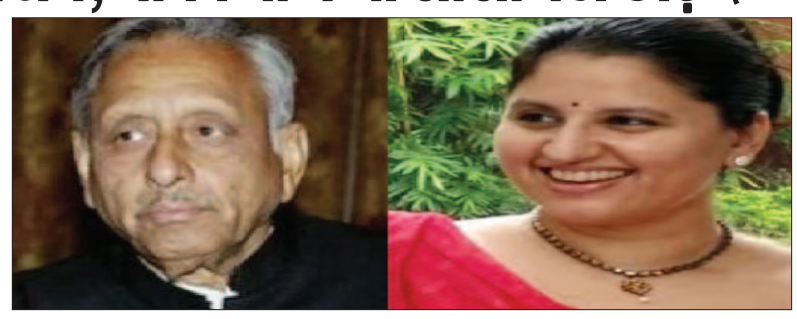

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर के खिलाफमें बयानबाजी करना और अनशन रखना कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर की बेटी को महंगा साबित हो रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर की बेटी सुरन्या अय्यर जिस सोसाइटी में रहती हैं, वहां से उन्हें निकलने को कहा गया है। दरअसल, कांग्रेस नेता की बेटी सुरन्या अय्यर ने राम मंदिर निर्माण और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के विरोध में तीन दिन का अनशन किया था। आरोप है कि उन्होंने सनातन धर्म के खिलाफ फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट किया था।

इसकारण सुरन्या के खिलाफ उनकी सोसाइटी की आरडब्ल्यूए ने एक्शन लिया है। आरडब्ल्यूए ने नोटिस जारी कर मणिशंकर और उनकी बेटी सुरन्या को पत्र लिखकर माफी मांगने को कहा है। आरडब्ल्यूए का कहना है कि दोनों या सार्वजनिक रूप से माफी मांगेंजहीं सोसाइटी छोड़कर चले जाएं। दरअसल, मणिशंकर अय्यर की बेटी दिल्ली के जंगपुरा इलाके में रहती हैं। सोसाइटी के एक्शन पर सुरन्या ने फेसबुक पर अपना बयान जारी कर कहा, यह बयान मेरे फास्ट के बारे में एक टेलीविजन कहानी के संबंध में है। सबसे पहले संबंधित रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन जिस कॉलोनी से है, वहां मैं रहती ही नहीं हूं। दूसरा, मैंने फिलहाल मीडिया से बात न करने का फैसला किया है, क्योंकि अभी भारत में मीडिया केवल जहर और भ्रम फैला रहा है। आप मुझे जानते हैं। मैंने भारत में अब तक अपनी सारी उम्र (लगभग 50 वर्ष) के दौरान सभी राजनीतिक दृष्टिकोण के लोगों के साथ बड़ी हुई हूं, पढ़ी हूं, काम किया। फिलहाल मैं अपनी बातें अपने फेसबुक और यू-ट्यूब पेजों पर ही छोड़ूंगी ताकि आप स्वयं, शांति से, इसके बारे में सोच सकें। आइए हम गाली-गलौच के बजाय, कुछ सोचने का प्रयास करें, जय हिन्द!

दरअसल, जब अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो रही थी, तब मणिशंकर अय्यर की बेटी सुरन्या ने अनशन किया था। इसकी वजह से सोसाइटी के लोग नाराज दिख रहे थे। सुरन्या ने कहा था कि उन्होंने अपने मुस्लिम भाइयों के लिए अनशन किया था। इसके बाद से ही सोसाइटी के लोग उनके खिलाफएक्शन की मांग कर रहे थे।

बीते 12 वर्षों में जनवरी में सबसे ज्यादा ठंडी रही दिल्ली, उत्तर भारत में घना कोहरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में लोगों को ठंड के साथ-साथ प्रदूषण का कहर भी झेलना पड़ रहा है। दिल्ली एनसीआर में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) भी 350 के पार पहुंच गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह जनवरी 12 साल में सबसे ठंडी है। आईएमडी का अनुमान है कि मंगलवार को मौसम की स्थिति खराब रहेगी, बुधवार और गुरुवार को हल्की बारिश होने की संभावना है, जिससे दिन के तापमान में और गिरावट आएगी। मौसम की मौजूदा खराबी के कारण रेल और उड़ान संचालन में देरी हो रही है, जबकि घने कोहरे के कारण खराब दृश्यता के कारण सुबह और रात के दौरान सड़क यात्रा को असुरक्षित माना गया है।

उत्तर भारत के विभिन्न हिस्सों में भीषण कोहरे की स्थिति बनी हुई है, जिससे दृश्यता प्रभावित हो रही है और परिवहन बाधित हो रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर पश्चिमी राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में बहुत घने कोहरे की सूचना दी है, जिसमें गंगानगर में केवल 25 मीटर की दृश्यता दर्ज की गई है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी अलग-अलग इलाकों में घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता काफी कम हो गई। राष्ट्रीय राजधानी में, कोहरे की मोटी परत ने शहर को ढक लिया, जिससे दृश्यता प्रभावित हुई और आईएमडी को कुछ क्षेत्रों के लिए कोल्ड डे अलर्ट जारी करना पड़ा। न्यूनतम तापमान 6।8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिल्ली में पालम और सफदरजंग जैसे प्रमुख स्थानों पर दृश्यता 500 मीटर दर्ज की गई। अन्य प्रभावित क्षेत्रों में पंजाब, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश शामिल हैं, जहां मध्यम से हल्का कोहरा छाया रहा।

स्थिति पर प्रतिक्रिया करते हुए, आईएमडी ने 31 जनवरी और 1 फरवरी दोनों को दिल्ली में हल्की बारिश की आशंका जताई है, क्योंकि दूसरा पश्चिमी विक्षोभ मैदानी इलाकों में पहुंच रहा है। इसके अतिरिक्त, 29 जनवरी से 3 फरवरी तक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में बारिश की संभावना है, जिससे उत्तरी क्षेत्रों में व्यापक वर्षा होगी, खासकर 30 और 31 जनवरी को। 3 फरवरी तक जम्मू, कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद और हिमाचल प्रदेश सहित क्षेत्रों में मध्यम बारिश या बर्फबारी की भविष्यवाणी की गई है। विशेष रूप से, 30 और 31 जनवरी को कश्मीर में भारी बारिश या बर्फबारी की उम्मीद है, हिमाचल के लिए भी ऐसी ही स्थिति का अनुमान है। 31 जनवरी को प्रदेश। 31 जनवरी से 2 फरवरी तक उत्तराखंड, पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्लीवासियों की मंगलवार की सुबह घने कोहरे और सर्द सुबह के साथ हुई और न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी के पूर्वानुमान से पता चला है कि मंगलवार को अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि कोहरे के कारण सुबह साढ़े पांच बजे पालम और सफदरजंग में दृश्यता कम होकर 50 मीटर रह

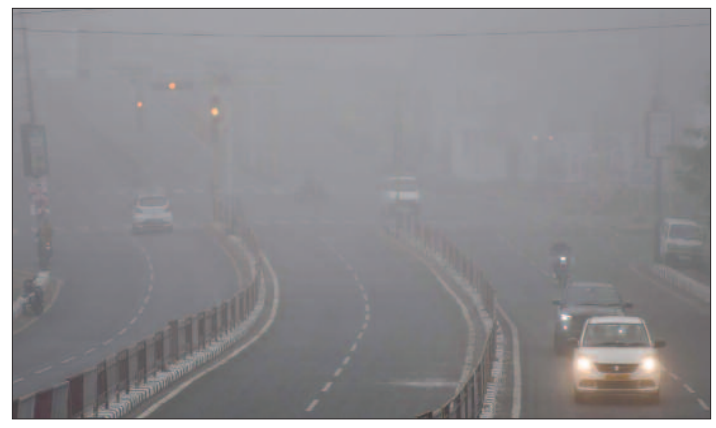

गई, इससे उड़ान और ट्रेन परिचालन बाधित हुआ। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने मंगलवार सुबह 6 बजे यात्रियों के लिए एक एडवाइजरी जारी की। मौसम विज्ञानी ने कहा, सुबह 9 बजे, पालम और सफदरजंग में दृश्यता लगातार 50 मीटर तक कम हो गई। इसके अलावा, शहर भर के कई स्टेशनों पर हवा की गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आनंद विहार क्षेत्र में सुबह 9 बजे पीएम2.5 का स्तर 355 पर बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया और पीएम10 233 या खराब पर पहुंच गया।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक व संपादक धुरन्धर चौहान द्वारा मूलनिवासी प्रिंटिंग प्रेस, मकान नं. 21 व 22, ब्लॉक, आर-3/ए-3, मोहन गार्डन, नई दिल्ली-110059 से मुद्रित तथा कार्यालय 'धुरन्धर टाइम्स' डी-405, ब्लॉक-डी मंगोलपुरी, नई दिल्ली-110083 से प्रकाशित किया। किसी भी कानूनी वाद-विवाद की स्थिति में दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगा। RNI : DELHIN/2016/71837 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं। विवादास्पद केवल दिल्ली में होंगे।